TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | पौराणिक नारी पात्रों द्वारा नारी सशक्तीकरण को बुलंद कर रहीं रेनू... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | गुरूवार | दिनांक- 19.11.2026

अखिलेश का योगी सरकार पर हमला, बोले-

26 हजार स्कूल बंद किए, 27 हजार शराब की दुकानें खोलीं; अब जनता देगी जवाब

एजेंसी, गोरखपुर।



चौरीचौरा के देवकही में बुधवार को आयोजित जनसभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने स्कूलों के बंद होने और शराब की दुकानों की संख्या बढ़ने का मुद्दा उठाकर योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 26 हजार प्राथमिक स्कूल बंद कर दिए गए, जबकि 27 हजार शराब की दुकानें खोल दी गईं। गरीबों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि अब जनता इसका जवाब देगी। प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर लोगों की जरूरत के मुताबिक फ्लाईओवर बनाए जाएंगे और बंद पड़ी मिलें खुलवाई जाएंगी।

प्रदेश की कानून व्यवस्था देश में सबसे खराब

अखिलेश यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा। कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था देश में सबसे खराब है और प्रदेश में गोरखपुर की स्थिति सबसे खराब है। उन्होंने दावा किया कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक गोरखपुर में दलित उत्पीड़न के सर्वाधिक मामले हैं। पुलिस पर ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि यहां लोगों को जूते चटवाए गए।

'नक्सलवाद खत्म हो सकता है, तो ड्रग्स की समस्या भी जड़ से मिटेगी'

मंत्रिपरिषद की बैठक में भावुक हुए पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली।



केंद्रीय मंत्रि परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया। आशियान की बैठक से लौटने के तत्काल बाद भारत मंडपम में मंत्रिपरिषद की बैठक में भारत को माओवादी हिंसा से मुक्ति दिलाने के पूरे अभियान पर विस्तृत प्रजेंटेशन हुआ।

इसी तरह का प्रजेंटेशन पिछले 12 सालों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने पर भी हुआ। प्रधानमंत्री ने सितंबर में मंत्रिपरिषद की हुई चिंतक बैठक में लिए गए फैसलों के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की।

गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 31 दिसंबर 2029 तक ड्रग्स तस्करी पर पूरी तरह से रोक लगाकर नशा मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए एक रोडमैप भी तैयार किया गया है और केंद्र और राज्य की सभी एजेंसियों को इस रोडमैप पर काम करने का निर्देश दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रिपरिषद की बैठक में नशा मुक्त भारत के अभियान को विकसित भारत की दिशा में अहम बताते हुए इसके लिए पूरी ताकत से काम करने की जरूरत पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अकेले किसी एक मंत्रालय या कुछ एजेंसियों का काम नहीं हो सकता है, इसमें पूरे देश को एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

ड्रग्स तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ स्कूल कालेजों में बच्चों, छात्रों, युवाओं को इसके प्रति जागरुक भी करना होगा। उन्होंने सभी मंत्रियों को इस अभियान में जुटने का आह्वान किया।

सूत्रों के अनुसार मंत्रिपरिषद की बैठक में पांच दशक बाद माओवादी हिंसा से भारत के मुक्त होने पर प्रशंसा की गई। इस अवसर पर माओवादियों के खिलाफ चलाए गए अभियान पर गृह मंत्रालय की ओर विस्तृत प्रजेंटेशन दिया गया। इसमें बताया गया कि माओवादी हिंसा कैसे देश की आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती बन गई थी।

माओवादी हिंसा में न सिर्फ बड़ी संख्या में जवान और निर्दोष नागरिक मारे जाते थे, बल्कि उनके अधिकार क्षेत्र में रहने वाले बड़ी संख्या जनजाति समुदाय के लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क समेत विकास से वंचित रह गए थे। माओवादी हिंसा से मुक्त होने के बाद सरकार पूरी ताकत के साथ उनतक विकास परियोजनाओं को पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

सूत्रों के अनुसार मंत्रिपरिषद की बैठक में सरकार की जन कल्याणकारी और विकास योजनाओं के कारण पिछले 12 सालों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की सराहना की गई। इस संबंध दिये गए प्रजेंटेशन में विस्तार से बताया गया कि कैसे मोदी सरकार आने के तत्काल बाद से ही गरीबों को उत्थान के लिए शौचालय, जनधन खाता, आवास, नल से जल, आयुष्मान और मुफ्त राशन जैसी योजनाएं शुरू की गई।

इसके साथ ही डीबीटी के सहारे जन कल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार को रोका गया और मुद्रा जैसी योजनाओं ने उन्हें खुद का रोजगार शुरू कर आत्मसम्मान के साथ जीने का अवसर प्रदान किया।

यूपी कैबिनेट का फैसलाः हवाई नेटवर्क से जुड़ेंगे प्रदेश के छोटे शहर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में प्रदेश की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम-मॉडिफाइड उड़ान (वज्रअठ) के अगले चरण के तहत केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के निष्पादन को मंजूरी प्रदान कर दी है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि इसमें 80 प्रतिशत राशि केंद्र की जबकि 20 प्रतिशत प्रदेश सरकार की व्यय होगी। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 4 जुलाई 2026 को लागू की गई इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों और क्षेत्रीय हवाई अड्डों को बेहतर हवाई संपर्क के जरिये जोड़ना है। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के छोटे शहरों के साथ-साथ धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों तक हवाई सेवाओं का विस्तार करने में मदद मिलेगी।
योजना के तहत उत्तर प्रदेश सरकार आरसीएस कन्सेशन एयरपोर्ट्स पर विमानन कंपनियों और हवाई अड्डों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

यूपी कैबिनेट: छह माह बढ़ेगा ग्राम प्रशासकों का कार्यकाल

एजेंसी, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव अब मई 2027 तक टलने के आसार हैं। प्रदेश सरकार ने पंचायत राज संशोधन अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। इसके तहत नवंबर में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक नियुक्त किया जाएगा। प्रशासकों का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ाया गया है। यह व्यवस्था पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी। हालांकि ये मामला अभी कोर्ट में पेंडिंग हैं। अब सरकार या तो हाईकोर्ट जाएगी या फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश पंचायत राज संशोधन अध्यादेश को मंजूरी दी गई। इसके तहत पंचायत राज अधिनियम की धारा 12 और धारा 3-क में संशोधन किया गया है। इसी व्यवस्था के आधार पर ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया जाएगा। नवंबर में मौजूदा पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। ऐसे में चुनाव होने तक पंचायतों का कामकाज प्रशासकों के जरिए संचालित किया जाएगा।

पंचायत चुनाव को लेकर अदालती आदेश पर मांगी कानूनी राय



कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश शासन ने ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर आए हाईकोर्ट के आदेश पर कानूनी राय मांगी थी। हाईकोर्ट ने तीन माह के भीतर चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। माना जा रहा है कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर या तो हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी या फिर सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 14 जनवरी से पूर्व कराने होंगे, जोकि मौजूदा परिस्थितियों में मुमकिन नहीं लग रहा है। एक तो आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग समर्पित आयोग की रिपोर्ट अब तक नहीं आई है, दूसरे जनगणना, परीक्षाएं और विधानसभा चुनाव को लेकर भी सरकारी मशीनरी व्यस्त है।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार

पंचायत चुनाव में आरक्षण तय करने के लिए गठित ओबीसी आयोग की रिपोर्ट अभी नहीं आई है। रिपोर्ट आने और चुनाव की तैयारियां पूरी होने में समय लगने के कारण सरकार ने प्रशासकीय व्यवस्था को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। छह महीने की अवधि मई 2027 तक रहेगी। इसके साथ ही ओबीसी आयोग का कार्यकाल भी बढ़ाया गया है।

महिला अपराध पीड़ितों को 15 लाख तक मुआवजा

महिला सशक्तीकरण के तहत कैबिनेट ने रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष नियमावली-2015 में संशोधन को मंजूरी दी है। इसके तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रस्तावित मुआवजा योजना को राज्य की व्यवस्था के अनुरूप शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य यौन अपराध और अन्य गंभीर हिंसक घटनाओं से प्रभावित महिलाओं और बच्चियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था में दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म, गंभीर शारीरिक क्षति, गर्भपात या प्रजनन क्षमता को नुकसान पहुंचने और एसिड अटैक जैसे मामलों में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराध और गंभीर हमलों के मामलों को भी इसमें शामिल किया गया है। अलग-अलग अपराध और नुकसान की गंभीरता के आधार पर मुआवजे की राशि एक लाख से 15 लाख रुपये तक प्रस्तावित है। इसके अलावा पीड़ितों को चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

नोएडा में डीप हब के लिए 281 करोड़

कैबिनेट ने आईआईटी कानपुर के नोएडा परिसर में डीप हब के निर्माण के लिए 281 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। नोएडा में बनने वाले इस भवन का उद्देश्य स्टार्टअप गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इसका निर्माण 24 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

31 में से 30 प्रस्तावों को मंजूरी

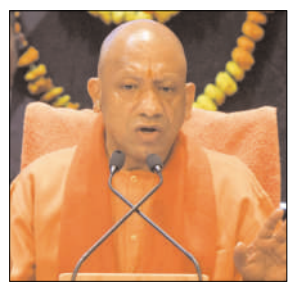
कैबिनेट बैठक में कुल 31 प्रस्ताव पेश किए गए थे। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि इनमें से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जबकि एक प्रस्ताव ड्रॉप कर दिया गया।

आतंकवाद-रोधी सम्मेलन आज, 'सीमा-पार आतंकवाद' पर होगा मंथन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के अंतर्गत, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय 'आतंकवाद-रोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्र की सामूहिक प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष सम्मेलन में 'सीमा-पार आतंकवाद' विषय की थीम पर विचार-विमर्श होगा। हर वर्ष आयोजित किया जाने वाला यह सम्मेलन अभियान में शामिल रहने वाले बलों, आतंकवाद के खिलाफ काम कर रही एजेंसियों तथा तकनीकी, कानूनी और फॉरेंसिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों का एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। यह एजेंसियों/बलों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों और आतंकवाद से पैदा होने वाले खतरों की सामूहिक रूप से जांच-पड़ताल करने का अवसर प्रदान करता है। सरकार की समग्र अप्रोच के अनुरूप यह सम्मेलन, सभी हितधारकों के बीच तालमेल बढ़ाने पर विशेष बल देता है। सम्मेलन का उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ समन्वित एवं ठोस कार्रवाई को सक्षम बनाने वाले औपचारिक एवं अनौपचारिक माध्यम स्थापित करना है। सम्मेलन का लक्ष्य भविष्य के नीति-निर्माण में ठोस योगदान देना भी है।
सम्मेलन के सत्र विभिन्न विषयों पर केंद्रित होंगे, जिनमें विदेशी न्यायाधिकारों से साक्ष्य प्राप्त करना, आतंकवादी मामलों की जांच में डिजिटल फॉरेंसिक और डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल और मुकदमों का प्रभावी प्रबंधन शामिल हैं। सम्मेलन के सत्रों में कट्टरता का मुकाबला करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने आ रहे हाइब्रिड खतरों पर भी चर्चा होगी।

ध्रुवीकरण नहीं, एकजुटता को है 'बंटोगे तो कटोगे' का संदेश; यूपी में बनेगी पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकारः योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने नारे 'बंटोगे तो कटोगे' को लेकर कहा है कि यह संदेश ध्रुवीकरण के लिए नहीं, बल्कि समाज को सतर्क और एकजुट करने के लिए है। वर्तमान तभी सुरक्षित रह सकता है, जब समाज अतीत के अनुभवों को याद रखे।

उन्होंने अभिभावकों और युवाओं से नई पीढ़ी को पिछली सरकारों के समय की अराजकता, दंगे, कर्फ्यू और असुरक्षा के दौर की जानकारी देने की अपील की। जवाहर बाग प्रकरण, मुजफ्फरनगर, कोसीकलां व अलीगढ़ दंगों और बरेली हिंसा का जिक्र कर कहा कि आज प्रदेश दंगा और कर्फ्यू मुक्त है। मुख्यमंत्री ने चंद्रशेखर और असद्दुदीन ओवैसी को इंडी गठबंधन की बी टीम बताया। उन्होंने वर्ष 2027 में तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने का भी दावा किया।

एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने नेतृत्व, कार्यकताओं और डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों के आधार पर जनता के बीच जाएगी। क्या एनडीए 320 सीटों का लक्ष्य पार कर पाएगा, इस पर योगी बिना सीटों की संख्या का उल्लेख किए कहा कि हमें जनता का समर्थन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने कानून-व्यवस्था को मजबूत कर भयमुक्त वातावरण तैयार किया है। पहले दंगाइयों को स्टेट प्लेन से बुलाकर मुख्यमंत्री आवास में माला पहनाई जाती थी। आज दंगाइयों को दाग दिया जाता है। एनडीए में सीट बंटवारे पर कहा कि सीटों और रणनीति से जुड़े निर्णय भाजपा की चुनाव समिति और सहयोगी दल आपसी सहमति से तय करेंगे।

गठबंधन के सभी सहयोगी साथ हैं और साथ रहेंगे। आसपा और एआइएमआइएम के गठबंधन को लेकर कहा कि ये दोनों नेता इंडी गठबंधन की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं। इनके राजनीतिक एजेंडे और गतिविधियों से सपा-कांग्रेस को मदद मिलती है। आरोप लगाया कि समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जनता विकास, सुशासन और सामाजिक एकता के पक्ष में है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची के शुद्धिकरण का महत्वपूर्ण प्रयास बताया। पिछले दिनों उन्होंने 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम मतदाता सूची से गायब होने की बात कही थी। जिसके बाद विपक्षियों द्वारा सवाल उठाए जा रहे थे और इसे एसआइआर की गड़बड़ी से भी जोड़ा जा रहा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मृत मतदाताओं और गैर भारतीयों के नाम सूची से हटने चाहिए, जबकि प्रत्येक वयस्क भारतीय का नाम शामिल होना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ता इस प्रक्रिया में सहयोग करेंगे, ताकि कोई पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलता का दोष कभी ईवीएम, कभी वोट चोरी और कभी निर्वाचन आयोग पर डालती है। बिना तथ्य और प्रमाण के संस्थाओं पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है। सपा की पीडीए राजनीति पर कहा कि सपा नेताओं के बयान और व्यवहार उसका वास्तविक चेहरा सामने लाते हैं। कई बयानों का उल्लेख कर सपा पर दलितों और महापुरुषों का अपमान करने का आरोप लगाया। राम मंदिर चंदा प्रकरण पर कहा कि साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राम मंदिर निर्माण का विरोध किया और अयोध्या में विकास कार्यों में बाधाएं खड़ी कीं।

दिल्ली में धरना-प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित होने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कांग्रेस, 'आप' और 'अप्सा' को भेजा नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली के जंतर-मंतर और रामलीला मैदान में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों से कारोबार बाधित होने के आरोप वाली व्यापारिक संगठनों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है।

इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, कॉकरोच जनता पार्टी और छात्र संगठन आइसा समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, व्यापारियों के संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शनों के कारण मध्य दिल्ली में कारोबार बाधित हुआ।

उन्होंने रामलीला मैदान को विरोध-प्रदर्शन की जगह बनाए जाने पर भी आपत्ति जताई। रोहतगी ने कहा, 'मेरा भी यही कहना है कि रामलीला मैदान शहर के बीचों-बीच स्थित है। जब रामलीला मैदान के चारों ओर थोक बाजार हों, तो वहां विरोध-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।'

बेंच ने कहा कि व्यापारियों की याचिका पर उन अन्य याचिकाओं के साथ सुनवाई की जाएगी, जिनमें राष्ट्रीय राजधानी में विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर अधिकारियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों पर सवाल उठाए गए हैं। इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए फिलहाल 27 नवंबर की तारीख तय की गई है।

'दुनिया में हथियार बन रहे संसाधन और तकनीक', जयशंकर ने बताईं पांच बड़ी चुनौतियां

एजेंसी, टोक्यो (जापान)।



विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को दुनिया की मौजूदा स्थिति के बारे में बात की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में हो रहे पांच बड़े बदलावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में बड़े बदलाव हो रहे हैं। संसाधनों और तकनीक का इस्तेमाल हथियार की तरह किया जा रहा है। जोखिम उठाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। देश अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित करने में जुटे हैं। भरोसेमंद साझेदारियों की अहमियत बढ़ रही है।

जयशंकर ने ये बातें रायसीना टोक्यो 2026 के उद्घाटन सत्र में कहीं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था तेजी से बदल रही है। इसके पीछे कई बड़ी घटनाएं हैं। इनमें कोविड-19 महामारी, बड़े युद्ध, व्यापार में रुकावट और अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव शामिल हैं।

वैश्विक व्यवस्था में बार-बार क्यों आ रहे हैं झटके?

जयशंकर ने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति में पांच बड़े बदलाव हुए हैं। जयशंकर ने कहा, आइए, दुनिया की मौजूदा स्थिति से शुरूआत करते हैं। मेरी नजर में इसकी पांच बड़ी विशेषताएं हैं।

उन्होंने कहा, पहला बदलाव अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लगने वाले झटके हैं। उन्होंने आगे कहा, कई दशकों तक वैश्वीकरण के जरिये यह व्यवस्था लगातार और धीरे-धीरे विकसित हो रही थी। लेकिन अब एक के बाद एक इसे कोविड महामारी, दो बड़े संघर्षों, व्यापार में रुकावटों और आर्थिक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा है। जयशंकर ने संसाधनों का हथियार के रूप में इस्तेमाल और रणनीतिक मार्गों पर बढ़ते नियंत्रण को दूसरा बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि अब संसाधन, ऊर्जा, बाजार तक पहुंच, तकनीक और वित्त का इस्तेमाल रणनीतिक हथियारों की तरह किया जा रहा है।

जयशंकर ने कहा, 'चाहे संसाधन हों या ऊर्जा, बाजार तक पहुंच हो या तकनीक, या फिर वित्त ही क्यों न हो, वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के हर पहलू का संबंधित पक्षों की ओर से खुले तौर पर हथियार की तरह इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है'।

क्या दुनिया में जोखिम उठाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है?

जयशंकर ने जोखिम उठाने की प्रवृत्ति को तीसरा बड़ा बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि अब अलग-अलग क्षेत्रों में बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा की सोच हावी हो रही है। आगे निकलने की कोशिश भी तेज हो गई है। जो देश या पक्ष आगे हैं, वे अपनी बढ़त को नतीजों में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इसका असर दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में दिख रहा है। उन्होंने चौथे बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि देश अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित करने में जुटे हैं। दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता के बीच यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। खासकर बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'अब हमारे फैसले लागत और काम की दक्षता से कम प्रभावित होते हैं।

आजम खां जेल से रिहा

बेटे अब्दुल्ला पिता को लेने पहुंचे, कारागार के बाहर उमड़े समर्थक

एजेंसी, गाजियाबाद।



समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत के बाद बुधवार की शाम जेल से रिहा कर दिए गए। आज ही उनकी रिहाई का परवाना जिला कारागार पहुंचा। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने बताया कि आजम खां का परवाना उन्हें मिल था, दस्तावेजों की जांच पड़ताल के बाद सपा नेता आजम खां को रिहा कर दिया गया है। उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां पिता को लेने जेल पहुंचे। जेल के बाहर आजम खां के समर्थक भी जुटे हैं।

आजम खां को अंतरिम जमानत, 50 हजार रुपये में रिहाई

आजम खां के वकील मोहम्मद यासीर अब्बासी ने बताया कि हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दी है। बुधवार को कोर्ट में हाई कोर्ट के आदेश के तहत जमानत राशि तय करने हेतु आवेदन दिया गया। कोर्ट ने 50,000 रुपये की जमानत राशि तय की। आजम खां के चिकित्सा इतिहास और स्वास्थ्य को देखते हुए, उनकी रिहाई के लिए एक आवेदन दायर किया गया। सत्र न्यायालय ने हाल ही में उनके हृदय रोग विशेषज्ञ से जांच कराने का आदेश दिया था। इस आवेदन में जमानत सत्यापन लंबित रहने तक उनकी रिहाई का अनुरोध किया गया। कोर्ट ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने पर उनकी रिहाई का आदेश दिया है।

पापरी नागर में कुश्ती का महाकुंभ, 350 पहलवान दिखाएंगे दमखम!

विधायक रानी पक्षालिका सिंह ने किया सीनियर नेशनल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

- देशभर के महिला और पुरुष पहलवानों का जुटा जमावड़ा
- भारतीय कुश्ती संघ के तत्वावधान में हो रही प्रतियोगिता
- उद्घाटन पर कुश्ती प्रेमियों में दिखा जबरदस्त उत्साह



टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट ब्लॉक के गांव पापरी नागर में भारतीय कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बाह विधायक रानी पक्षालिका सिंह भदावर ने फीता काटकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया।इस अवसर पर प्रतियोगिता के आयोजक गोपाल ठाकुर ने विधायक रानी पक्षालिका सिंह भदावर का स्वागत एवं सम्मान किया।

प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए 350 से अधिक महिला एवं पुरुष पहलवान प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता में पहलवान अपने कुश्ती कौशल और दमखम का प्रदर्शन करेंगे।प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों एवं कुश्ती प्रेमियों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

15 फीट गहरे नाले में समाई 5 साल की परी!

छह घंटे तक शव लेकर नाले पर बैठे रहे परिजन

- खेतों की ओर गई थी परी, पैर फिसलने से नाले में डूबी
- तीन बच्चियों ने गांव पहुंचकर दी हादसे की सूचना
- तीन दिन से बंद था नाला, जलभराव को हादसे की वजह बता रहे ग्रामीण



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव बिलईपुरा में बुधवार सुबह शौच के लिए खेतों की ओर गई पांच वर्षीय किशोरी की नाले में डूबने से मौत हो गई। साथ गई तीन बच्चियों ने गांव पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किशोरी को नाले से बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, परिजन बच्ची का शव लेकर नाले के पास पहुंच गए और नाला खुलवाने की मांग पर अड़ गए। सूचना पर निबोहरा पुलिस सहित नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और करीब 6 घंटे बाद नाला खोलने का काम शुरू हो जाने पर परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बिलईपुरा निवासी श्रीभगवान पुत्र कालीचरण ने बताया कि पड़ोसी गांव चमरौली के ग्रामीणों ने तीन दिन पहले नाले को बंद कर दिया था। जिससे नाले में करीब 15 फीट पानी हो गया है। श्रीभगवान की पुत्री परी(5) बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे के करीब पड़ोस की अंशू (4)काजल (6) और मोहिनी (5) के साथ गांव से करीब 200 मीटर दूर खेतों की ओर शौच करने गई थी। इसी दौरान परी का अचानक पैर फिसल गया और वह करीब 15 फीट गहरे नाले में गिरकर डूब गई। साथ गई तीनों बच्चियां किसी तरह गांव पहुंचीं और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परी नाले में पानी पर उतराती मिली। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन बच्ची का शव लेकर नाले के पास पहुंच गए। सूचना पर निबोहरा पुलिस, नायब तहसीलदार विशेष कुमार और भाजपा नेता महेंद्र वर्मा मौके पर पहुंचे। अधिकारियों और पुलिस ने परिजन व ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नाला खुलवाने की मांग पर अड़े रहे। करीब 6 घंटे बाद जेसीबी की सहायता से नाला खोलने का काम शुरू किया गया। तब जाकर परिजन ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। मृतका के पिता श्रीभगवान और ग्रामीणों ने बताया कि नाला बंद हो जाने की वजह से पानी का निकास रुक गया और नाले में जलभराव बढ़ गया। इसी कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार को भी गांव के तीन-चार बच्चे नाले में गिर गए थे, जिन्हें वहां मौजूद किसानों ने बचा लिया था। वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।परिजन के मुताबिक श्रीभगवान किसान है। उनके तीन बच्चे है। कृष्णकांत उम्र 8 वर्ष, कान्हा है। वहीं मृतका परी सबसे छोटी थी। मृतका परी गांव के ही सरकारी विद्यालय में कक्षा एक में पढ़ती थी।

तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा से बात करने पर बताया कि मामले की जानकारी होने पर मौके पर खंड विकास अधिकारी फतेहाबाद को फोन किया था जिनके द्वारा एडीओ पंचायत को मौके पर भेजा गया है तथा नायब तहसीलदार भी मौके पर है नाले की जगह की पैमाइश कराकर नाला खुदवाया जा रहा है जहां सड़क पर पुलिया निर्माण को लेकर लोक निर्माण विभाग को पत्राचार किया जाएगा। एसीपी शमशाबाद रामप्रवेश गुप्ता से बात करने पर बताया कि नाले में पैर फिसलने से बच्ची गिर गई थी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजन जो भी शिकायती पत्र देंगे उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सरकारी खरीद केंद्र पर किसानों का हंगामा, चहेतों को तवज्जो का आरोप!



पिनाहट। बाजार खरीद केंद्र पर किसानों ने केंद्र प्रभारी पर मनमानी तरीके से अपने चाहतों का नंबर लगाने और धीमी गति से खरीद और तौल करने का आरोप लगाया है। पिनाहट स्थित सरकारी बाजार खरीद केंद्र पर धीमी गति से कॉल करने और मनवाने तरीके से नंबर लगाने और अपने चहेतों का पहले नंबर? लगाने का आरोप लगाते हुए किसानों ने बुधवार को जमकर हंगामा किया है। पुरा टीकमसिंह निवासी किसान उमेश,काकर खेड़ा निवासी किसान मोहर मन सिंह ने बताया खरीद केंद्र प्रभारी अपने चहेतों का ही बाजरा खरीद कर रहा है। कुछ भी कहने पर बाजरा नहीं खरीदने की धमकी देने लगाया है। सुबह से शाम तक एक दो ट्रैक्टर की तौल हो पाती है। क ई दिनों से अपना बाजरा बेचने के लिए चक्कर लगा रहै है। किन्तु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। किसानों ने बताया कि पिछली वर्ष भी भदरौली में प्राइवेट बाजरा की दुकान पर एसडीएम बाह की छापेमारी के दौरान सरकारी बरदाना पकड़ा गया था।उप ज़िलाधिकारी बाह विनोद चौधरी ने बताया मोके पर पहुँच कर जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी ।

होनहारों की प्रतिभा को मिला मंच, आयोजित हुई प्रतिभा खोज परीक्षा!



पिनाहट ।ब्लॉक पिनाहट क्षेत्र के लड़उआपुरा स्थित बी.बी.आर. कॉन्वेंट स्कूल में बुधवार को स्वर्गीय राजेश सिंह पुत्र श्री भीकम सिंह की पुण्य स्मृति में प्रतिभा खोज परीक्षा-2026 का आयोजन किया गया। परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानना और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।परीक्षा का आयोजन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक किया गया। इसमें विद्यार्थियों से कुल 80 प्रश्न पूछे गए, जिनके लिए अधिकतम 100 अंक निर्धारित किए गए थे। परीक्षा में सभी प्रश्न अनिवार्य रखे गए तथा विद्यार्थियों को ओएमआर शीट के माध्यम से उत्तर देने की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर प्रबंधक धर्मेंद्र गुर्जर, अरुण , अनीश, विनीत, प्रतिभा , रितु , रेनू , पल्लवी , मुस्कान , कशिश , दिव्या एवं प्रिया आदि शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित रहीं।

पुलिस का शिकंजा, लंबे समय से फरार वारंटी गिरफ्तार!



पिनाहट। अपराधियों, कानून तोड़ने वालों और लंबे समय से फरार चल रहे वांछित वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत स्थानीय थाना पिनाहट पुलिस को एक और बड़ी और अहम सफलता हाथ लगी है। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को पूरी तरह से मजबूत बनाए रखने और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से थाना पुलिस ने बुधवार को एक वांछित वारंटी को धर दबोचा। आवश्यक कानूनी और विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है, जहां से आगे की न्यायिक कार्रवाई की जा रही है। थाना पिनाहट पुलिस से प्राप्त आधिकारिक विवरण के अनुसार, 18 नवंबर 2026 को वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशन और मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की खास सूचना और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर एक सटीक दबिश दी। इस त्वरित कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वांछित वारंटी अनिल पुत्र राजवीर, जो कि देवगढ़ (थाना पिनाहट, जिला आगरा) का मूल निवासी है, को सफलता गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रिकॉर्ड और दस्तावेजों के मुताबिक पकड़ा गया यह आरोपी काफी समय से अदालत से वारंट जारी होने के बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर छिपता फिर रहा था। थाना पिनाहट पुलिस की इस मुस्तैदी और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य असामाजिक तत्वों और वारंटियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने, वारंटियों की धरपकड़ करने और अपराधों पर अंकुश लगाने का यह विशेष अभियान आगे भी इसी कड़ाई के साथ लगातार जारी रहेगा।

एबीवीपी ने रानी लक्ष्मीबाई को दी श्रद्धांजलि



टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आगरा महानगर इकाई द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती की पूर्व संध्या पर बुधवार को एक विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने शहर के टैंक चौराहा स्थित रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थल की व्यापक साफ-सफाई की और तत्पश्चात माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वच्छता अभियान से हुई, जिसमें अभाविप के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने श्रमदान करते हुए प्रतिमा और उसके आसपास के परिसर को स्वच्छ किया। इसके बाद सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित कर वीरांगना की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संध्या बेला में दीप प्रज्वलित कर राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया गया। इस दौरान 'रानी लक्ष्मीबाई अमर रहें' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष से पूरा चौराहा गुंजायमान हो उठा।

प्रांत सह मंत्री पुनीत कुमार ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारतीय नारी शक्ति, शौर्य और स्वाभिमान की अद्वितीय प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के कार्यों में आगे आएं। अभाविप सदैव युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करने के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

अभाविप के प्रमुख कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने वीरांगना के बताए मार्ग पर चलने और देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस दौरान विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी, नितिन दुबे, दीपक बजरंगी, भुवनेश उपाध्याय, रचित यादव, अश्वनी चौधरी, हर्ष वर्धन तोमर,मयंक चौहान धीरू यादव, मन्नू बघेल, आदित्य सिंह, धीरज सिंह, रितेश, दीपांशु चाहर, अर्पित सत्यार्थी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुए

आगरा। आज पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या ईदगाह में भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत गीत मंच कार्यक्रम के तहत सामुदायिक गायन एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और सामुदायिक गायन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर पर्यावरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में आगरा के अंबेडकर तक रोवर क्रू (स्वतंत्र) एवं मुमताज रेंजर टीम (स्वतंत्र) के रोवर-रेंजर सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका निधि श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मधुमक्खियों पर छिड़ी जंग, सगे भाइयों में खूनी संघर्ष!

- मधुमक्खियां उड़ाने को लेकर शुरू हुआ विवाद, लाठी-डंडे चले
- दोनों पक्षों के सात लोग मारपीट में हुए घायल



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना डौकी क्षेत्र के गांव बगदा में बुधवार को मकान तोड़ने के दौरान मधुमक्खियां उड़ाने को लेकर सगे भाइयों के परिवारों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर आमने-सामने आ गए। जमकर हुई मारपीट में गर्भवती महिला समेत सात लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बगदा निवासी राजेंद्र सिंह पुत्र बेताल सिंह पक्ष अपने पुराने मकान को तोड़ रहा था। इस दौरान उन्होंने अपने छोटे भाई चोब सिंह के लड़कों पर मधुमक्खियां उड़ाने का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर भिड़ गए।

मारपीट में एक पक्ष से राजेंद्र सिंह, उनकी पत्नी नेकसी देवी और पुत्रवधू ममता घायल हो गईं। वहीं दूसरे पक्ष से चोब सिंह, उनके बेटे रवि व अजय और पुत्रवधू किरन घायल हो गईं। किरन नौ माह की गर्भवती बताई गई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि घायलों का मेडिकल कराया गया है। तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भक्ति की पराकाष्ठा! श्याम के चरणों में शीश नवाने 350 किलोमीटर की दंडवत यात्रा!

खंदोली से खाटूधाम तक अनूठी भक्ति यात्रा

- श्याम भक्ति में लीन होकर दंडवत प्रणाम करते हुए तय करेंगे सैकड़ों किलोमीटर का सफर
- न दूरी की चिंता, न रास्ते की मुश्किलों की परवाह, बस बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने का संकल्प



टीएनएफ टुडे, आगरा।

आस्था जब जुनून बन जाए तो मुश्किल से मुश्किल रास्ते भी छोटे पड़ जाते हैं। बाबा खाटूश्याम के प्रति ऐसी ही अटूट श्रद्धा और समर्पण की मिसाल पेश कर रहे हैं खंदोली निवासी ऋतिक बंसल और अमित उपाध्याय। दोनों श्रद्धालुओं ने आगरा के खंदोली से राजस्थान के सीकर स्थित प्रसिद्ध खाटूश्याम मंदिर तक दंडवत यात्रा करने का संकल्प लिया है। करीब 350 किलोमीटर से अधिक की इस यात्रा में दोनों भक्त दंडवत प्रणाम करते हुए बाबा के दरबार तक पहुंचने की तैयारी में हैं।

दोनों श्रद्धालुओं की यह यात्रा केवल एक धार्मिक सफर नहीं, बल्कि उनकी अटूट आस्था, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। दंडवत यात्रा में श्रद्धालु जमीन पर लेटकर साष्टांग प्रणाम करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस दौरान शारीरिक कष्ट और रास्ते की चुनौतियों के बावजूद उनका लक्ष्य बाबा के दर्शन करना है। दोनों भक्तों का यह संकल्प श्याम प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। उनकी श्रद्धा और हौसले को देखकर लोग भी नतमस्तक हो रहे हैं।

किसानों की खतौनियों की खुलेंगी गांठें, दो हफ्ते का अल्टीमेटम!

फतेहाबाद। खतौनियों में निस्तारण को लेकर भाजपा नेता डॉ राजकुमार उपाध्याय के द्वारा उपजिलाधिकारी को दिए गए पत्र के क्रम में तहसीलदार ने राजस्व निरीक्षक व लेखपालों को दिए निर्देश प्राथमिकता के आधार पर दो सप्ताह के अंदर खतौनियों में त्रुटि का निस्तारण हो नहीं तो कार्रवाई होगी।भाजपा नेता राजकुमार उपाध्याय के द्वारा उपजिलाधिकारी फतेहाबाद को पत्र सौंपकर कर मामला उठाया था कि फतेहाबाद के किसानों की खतौनियों में भारी गलतियां हैं जिसमें अंश सहित अन्य गलतियों के चलते किसान तहसील के चक्कर लगा रहे हैं जिसके चलते कर्मचारी मोटी रकम वसूल रहे हैं जिससे किसानों का शोषण हो रहा है। इसी को लेकर उन्होंने आंदोलन की धमकी दी थी। जिसको लेकर उपजिलाधिकारी स्वाति शर्मा ने तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा को कार्रवाई के आदेश दिए थे। जिसमें तहसीलदार फतेहाबाद के द्वारा सभी राजस्व निरीक्षक व लेखपालों को दो सप्ताह के अंदर विशेष शिविर लगाकर किसानों की खतौनियों में त्रुटि को ठीक करने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा लापरवाही की स्थिति में उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

झपकी ने मचाया तांडव, एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकराकर पलटी कार!

गुरुग्राम से बंगाल जा रही टैक्सी हादसे का शिकार, एक यात्री घायल

- तड़के 5:20 बजे किलोमीटर 29.300 पर हुआ हादसा
- कार में सवार अन्य यात्रियों की बाल-बाल बची जान
- यूपीडा और पुलिस टीम ने घायल को एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण टैक्सी कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर पर चढ़कर पलटकर हुई सीधी एक घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायल को उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार चालक शिब्रता जलानी पुत्र बलाई जलानी निवासी सेक्टर 57 पिलर गुरूग्राम हरियाणा चला रहा था। साथ में शतरंजन निवासी सूरजपुर थाना रायदगी पश्चिम बंगाल इनकी पत्नी कल्याणी तथा पुत्रियों के बच्चे कुमारी सोनिया माल उम्र 4 वर्ष, सुदीप उम्र 6 वर्ष, अनूप पांजा, जयदेव उम्र 35 वर्ष, तथा सुकांता पत्नी ककन मेंहती निवासी देवीपुर पश्चिम बंगाल, सुनंदा , सोनू उम्र 9 वर्ष, रामू 14 वर्ष, सुपर्णा 6 ,अपर्णा 3 वर्ष थे। गुरूग्राम से टैक्सी चालक सवारी लेकर पश्चिम बंगाल जा रहा था। जैसे ही बुधवार तड़के 5:20 बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 29.300 पर पहुंचे तो चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर पर चढ़कर पलटकर सीधी हो गई।जिससे कार में बैठे लोगों में चीख पुकार मच गई। हादसे में कार में सवार जयदेव जाना घायल हो गए। बाकी सवारी बाल-बाल बच गयी। सूचना पर यूपीडा की टीम व फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेज दिया गया। तथा क्षतिग्रस्त कार को टोल प्लाजा 21 पर खड़ा करवा दिया गया है। वहीं अन्य सभी सवारियों को एम्बुलेंस से फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर भेज दिया गया।

यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर पर चढ़कर पलट कर सीधी हो गई थी। हादसे में एक सवारी घायल हो गई थी। जिसे उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेज दिया गया है। वहीं अन्य सवारियों को एम्बुलेंस से फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर छुड़वा दिया गया है।

भाजपा ने अजयपाल सिंह को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, बने जिला सह-संयोजक!

जिला सोशल मीडिया टीम में मिली जगह, फतेहाबाद में संगठन के लिए कर चुके हैं कार्य



- भाजपा आगरा की जिला सोशल मीडिया टीम में मिली नई जिम्मेदारी
- जिलाध्यक्ष प्रशांत पोनिया और राम चौधरी के प्रति जताया आभार
- फतेहाबाद में संगठन के लिए सक्रिय रहे हैं अजयपाल सिंह

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक जिम्मेदारी में विस्तार करते हुए अजयपाल सिंह धमेर्ना को जिला सह-संयोजक (सोशल मीडिया), भाजपा आगरा नियुक्त किया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अजयपाल सिंह धमेर्ना ने जिलाध्यक्ष प्रशांत पोनिया, जिला सोशल मीडिया संयोजक राम चौधरी, अनिकेत तोमर और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद में संगठन के कार्यकर्ता के रूप में काम करने के बाद अब जिला सोशल मीडिया टीम के साथ कार्य करने का अवसर मिला है। वह पार्टी की नीतियों, विचारधारा और संगठनात्मक गतिविधियों को डिजिटल माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

सीएनजी टैंकर में गैस रिसाव से हाईवे पर मचा हड़कंप

पुलिस ने रोका यातायात, कॉलेज में रखी थीं चुनावी ईवीएम

- धौलपुर-करौली हाईवे पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास घटना, टोरेंट कंपनी की इंजीनियरिंग टीम ने मौके पर पहुंचकर रिसाव रोका, खतरा टलने पर यातायात बहाल,



टीएनएफ टुडे, धौलपुर।

धौलपुर-करौली हाईवे पर बुधवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास सीएनजी से भरे टैंकर में अचानक गैस रिसाव होने से अफरा-तफरी मच गई। टैंकर से गैस निकलती देख पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रोक दी। घटनास्थल के पास स्थित कॉलेज परिसर में पंचायत चुनाव की ईवीएम मशीनें रखी होने के चलते सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता बरती गई। सूचना पर पुलिस और टोरेंट कंपनी की टीम मौके पर पहुंची तथा स्थिति को संभाला।

जानकारी के अनुसार, टोरेंट कंपनी का सीएनजी टैंकर धौलपुर से बाड़ी की ओर जा रहा था। इसी दौरान पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास टैंकर से गैस रिसाव शुरू हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर हाईवे पर यातायात रोक दिया, जिससे वाहनों की आवाजाही थम गई और किसी संभावित अनहोनी को टाला जा सके।

पुलिस ने कंपनी की इंजीनियरिंग टीम को बुलाया, मामले की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी रामकिशन यादव और पचगांव चौकी प्रभारी एएसआई अरुण शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल टोरेंट कंपनी के अधिकारियों को सूचना देकर तकनीकी टीम बुलवाई। इंजीनियरों ने टैंकर की जांच कर आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया अपनाते हुए गैस रिसाव को बंद किया।रिसाव बंद होने और स्थिति सामान्य होने के बाद पुलिस ने हाईवे पर यातायात पुनः शुरू करवा दिया। घटना के दौरान एहतियात के तौर पर कुछ समय तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही। समय रहते पुलिस और तकनीकी टीम की कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत ताज प्रेस क्लब में मीडिया-डे एवं स्व-गणना जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन'

एडीएम वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी संदीप कुमार वर्मा ने पत्रकारों को दी स्व-गणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- पत्रकार बंधुओं एवं उनके परिजनों ने स्व-गणना पोर्टल पर ऑनलाइन जानकारी दर्ज कर पूरी की स्व-गणना
- स्वयं स्व-गणना कर आमजन को भी करें प्रेरित, जनगणना के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें - संदीप कुमार वर्मा



भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) के अंतर्गत संचालित स्व-गणना अभियान को लेकर आज ताज प्रेस क्लब, आगरा में विशेष दिवस 'मीडिया-डे' के अवसर पर पत्रकारों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी संदीप कुमार वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में ताज प्रेस क्लब एवं जिला प्रशासन, आगरा के संयुक्त सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में ताज प्रेस क्लब के अध्यक्ष, मनोज मिश्रा द्वारा उपस्थित इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधुओं का परिचय कराया गया।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री संदीप कुमार वर्मा जी ने उपस्थित पत्रकारों को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण एवं स्व-गणना प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके पश्चात 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन एवं अन्य प्रशिक्षण माध्यमों से स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। पत्रकार बंधुओं को बताया गया कि किस प्रकार आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपने परिवार की आवश्यक जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इसके साथ ही जनगणना से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं एवं आवश्यक सावधानियों की भी जानकारी दी गई।

इस अवसर पर उपस्थित पत्रकार बंधुओं एवं उनके परिजनों की स्व-गणना मास्टर ट्रेनर के मार्गदर्शन में आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन जानकारी दर्ज कराकर मौके पर ही पूर्ण कराई गई। सभी पत्रकार बंधुओं ने इस राष्ट्रीय अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी संदीप कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जनगणना देश के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा भविष्य की विकास नीतियों के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे स्वयं स्व-गणना पोर्टल रीू्ल्ल२४२ॅङ्ब५.ल्ल पर जाकर अपने परिवार की जानकारी दर्ज करें तथा स्व-गणना की प्रक्रिया 30 नवंबर 2026 तक अवश्य पूरी करें।

उन्होंने विशेष रूप से पत्रकार बंधुओं से आग्रह किया कि वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए जनगणना-2027 एवं स्व-गणना अभियान के प्रति आमजन को जागरूक करें तथा अपने आसपास रहने वाले लोगों, परिचितों एवं परिजनों को भी स्व-गणना के लिए प्रेरित करें, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने यह भी बताया कि जनगणना के दौरान नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली व्यक्तिगत जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं तथा उनका उपयोग केवल अधिकृत जनगणना एवं सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

कार्यक्रम के अंत में ताज प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं समस्त कार्यकारिणी द्वारा जिला प्रशासन के अधिकारियों, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी संदीप कुमार वर्मा तथा मास्टर ट्रेनर का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार बंधुओं ने भी जनगणना-2027 के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने तथा आमजन तक सही एवं प्रमाणिक जानकारी पहुंचाने में अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बंधुओं की सहभागिता रही।

सिद्धचक्र महामंडल विधान के दूसरे दिन भक्तिभाव से अर्पित किए 16 अर्घ्य

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- विशेष शांतिधारा के साथ हुई जिनेंद्र भगवान की आराधना-डी-ब्लॉक कमला नगर में मुनिश्री समत्वसागर जी ससंघ के सान्निध्य में गूंजे जिनेंद्र भगवान के जयकारे



देश की शांति, विश्व की शांति और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ डी-ब्लॉक कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय विश्व शांति महायज्ञ एवं श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का दूसरा दिन विशेष धार्मिक अनुष्ठानों, भक्तिभाव और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। पीएनसी परिवार,आगरा द्वारा राज्यसभा सांसद श्री नवीन जैन के नेतृत्व में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान का प्रमुख उद्देश्य आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु तथा राष्ट्रसेवा के लिए उन्हें और अधिक शक्ति, ऊर्जा एवं सामर्थ्य प्राप्त होने की मंगलकामना करना है। साथ ही प्रभु श्री महावीर के अहिंसा, शांति और विश्व बंधुत्व के संदेश से देश एवं संपूर्ण विश्व में सुख, समृद्धि और सद्भावना का संचार होने की प्रार्थना की जा रही है।बुधवार को प्रातःकाल पूज्य मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज, मुनि श्री शीलसागर जी महाराज एवं मुनि श्री सुप्रभात सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य तथा प्रतिष्ठाचार्य डॉ. अभिषेक जैन एवं आकाश जैन शास्त्री के निर्देशन में श्री आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं विशेष शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात विधान मंडल पर विधि-विधान के साथ अष्टद्रव्य अर्पित कर 16 अर्घ्य समर्पित किए गए।सांसद नवीन जैन ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रेनू जैन के साथ सौधर्म इंद्र के रूप में धार्मिक क्रियाओं में सहभागिता की।महायज्ञनायक प्रदीप जैन एवं अन्य इंद्र-इंद्राणियों ने भी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ विधान की धार्मिक क्रियाएं संपन्न कीं। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना के साथ देश एवं विश्व में शांति, समृद्धि और सद्भाव स्थापित होने की प्रार्थना की गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अनंत ओझा जी मौजूद रहे, जिन्होंने राज्यसभा सांसद नवीन जैन के द्वारा उठाई गई सराहनीय अनूठी पहल की प्रशंसा की इस अवसर पर सांसद नवीन जैन ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। राष्ट्र की सेवा में उनका समर्पण, परिश्रम और संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से हम प्रभु से प्रार्थना कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री जी स्वस्थ रहें, दीघार्यु हों और उन्हें राष्ट्रसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा, शक्ति एवं सामर्थ्य प्राप्त होती रहे। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और विश्व बंधुत्व के सिद्धांत केवल किसी एक समाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग हैं। आज जब विश्व अनेक प्रकार की चुनौतियों और अशांति से गुजर रहा है, तब भगवान महावीर के शांति और अहिंसा के संदेश को अपनाना और भी आवश्यक हो गया है। हमारी भावना है कि भारत शांति, सद्भाव और विकास के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़े तथा पूरे विश्व में प्रेम और भाईचारे का संदेश पहुंचे।विधान के अवसर पर पीएनसी परिवार के मुखिया प्रदीप जैन,सांसद नवीन जैन,चक्रेश जैन एवं योगेश जैन सहित पीएनसी परिवार के सदस्यों ने मुनिश्री की पुस्तक का विमोचन भी किया। शाम को भोपाल से आए भजन गायक लोकेश जैन एवं पार्टी ने भक्तिमय जैन भजनों की प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा पंडाल भक्तिरस में सराबोर हो गया। रात्रि सात बजे श्रीजी की भव्य मंगल आरती की गई। दीपों की रोशनी, भक्ति संगीत और जय जिनेंद्र के जयघोष से आयोजन स्थल का वातावरण भक्तिमय हो उठा।इस अवसर पर मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस जीव की जैसी दृष्टि होती है, वह वैसी ही सृष्टि का निर्माण करता है। मनुष्य के पास आज भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं है, फिर भी उसके जीवन में वास्तविक प्रसन्नता का अभाव दिखाई देता है। इसका कारण है कि मनुष्य बाहरी उपलब्धियों में सुख खोजता है, जबकि सच्चा सुख आत्मा की शुद्धता और आत्मबोध में निहित है। धर्म केवल पूजा-पाठ अथवा मंदिर जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के विचारों, व्यवहार और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। जब धर्म जीवन में उतरता है, तभी आत्मिक शांति और वास्तविक आनंद की अनुभूति होती है।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर जी व महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता जी तथा इस नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन का कुशल संचालन प्रसिद्ध मंच संचालक श्री मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। वैभव जैन, अनिरुद्ध जैन, अभिनंदन जैन, आनंद जैन, हर्षवर्धन जैन, कार्तिकेय जैन, अनुज जैन,अभिषेक जैन, प्रतीक जैन, निर्मेश जैन, उमेश जैन, ऋषभ जैन, लवलेश जैन,

किसानों दिवस में 10 शिकायतें प्राप्त, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।



आगरा। दिनांक 18.11.2026 को मुख्य विकास अधिकारी आगरा की अध्यक्षता में विकास भवन, संजय प्लेस आगरा के सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद आगरा के किसानों की समस्याओं का जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया।

जिसमें सहकारिता विभाग से सम्बन्धित 01, सिंचाई विभाग से सम्बन्धित 04, विद्युत विभाग से सम्बन्धित 01, उद्यान विभाग से सम्बन्धित 01, उप कृषि निदेशक से सम्बन्धित 01, जिला खाद्य विपणन से सम्बन्धित 02, कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुई।

उप कृषि निदेशक, आगरा ने कृषि विभाग में संचालित सभी योजनाओं जैसे - सरसों बीज मिनीकिट वितरण, गेहूँ के बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान, कृषि यंत्रीकरण योजना के अन्तर्गत कृषि यंत्रों पर अनुदान के सम्बन्ध में किसान दिवस में उपस्थित कृषकों को अवगत कराया गया, साथ ही स्वः गणना हेतु प्रेरित किया गया।

खाद्य एवं विपणन अधिकारी, आगरा ने अवगत कराया कि फार्मर रजिस्ट्री / एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत कराके किसान सरकारी खरीद पर बाजरा बेच सकते हैं। उद्यान विभाग के द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में आलू उत्पादक किसानों के लिए शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण शुल्क पर अनुदान दिया जायेगा। सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा नहरों की सफाई के बारे में कृषकों को अवगत कराया गया।

मुख्य विकास अधिकारी, आगरा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय पर तथा गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। किसान बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, महोदय, आगरा, उप कृषि निदेशक, आगरा, जिला कृषि अधिकारी, आगरा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, आगरा, जिला उद्यान अधिकारी, आगरा, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, आगरा (प्रतिनिधि), अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण विद्युत, आगरा, अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड, आगरा, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई नहर, आगरा, सहायक निदेशक, मत्स्य आगरा, सहायक अभियन्ता (लघु सिंचाई) आगरा, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, आगरा, प्रबन्धक जिला अग्रणी बैंक आगरा (प्रतिनिधि), फसल बीमा कम्पनी, आगरा, आदि जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ ही किसान प्रमोद चाहर, मोहन सिंह चाहर, एवं श्याम सिंह चाहर, सोमवीर यादव, आदि लगभग 100 किसान भी सभागार में उपस्थित रहे।

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कल होटल आईटीसी मुगल में होगी समीक्षा



टीएनएफ टुडे, आगरा।

- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं, तैयारियों का लिया जायजा, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश
- वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग की अध्यक्षता एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा की उपस्थिति में 05 मंडलों आगरा, कानपुर, बरेली, झांसी एवं चित्रकूट मंडलों के 21 जनपदों की निर्वाचन तैयारियों की होगी समीक्षा

समीक्षा बैठक 19 नवम्बर, 2026 (गुरुवार) को जनपद आगरा में पूर्वाह्न 11:00 बजे से होटल आईटीसी मुगल, फतेहाबाद रोड पर होगी आहूत। बैठक में 05 मण्डलों के संबंधित मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उप महानिरीक्षक, जिला निर्वाचन अधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक करेंगे प्रतिभाग संबंधित जनपदों के अधिकारियों द्वारा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों से जुड़ी प्रगति एवं व्यवस्थाओं के संबंध में पीपीटी के माध्यम से दिया जाएगा। 21 जनपद- आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर, जालौन, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, फरुर्खाबाद तथा कन्नौज।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में फ्रेशर पार्टी का भव्य आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं उनके उत्साहवर्धन के लिए फ्रेशर पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवागंतुक विद्यार्थियों का फूलों एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर पूरा विभाग संगीत, नृत्य और उल्लास के रंगों में सराबोर नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने गीत, संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मनोरंजन किया। रैंप वॉक एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम के विशेष आकर्षण रहे। एंकर श्रुति एवं अंशुल ने अपने प्रभावशाली संचालन से कार्यक्रम में उत्साह और जीवंतता बनाए रखी। वहीं सूरज शर्मा ने कार्यक्रम के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाली।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में तनु, हरि कृष्ण, विनय यादव, त्रिवेंद्र, दीपक उपाध्याय, शिवानी सिंह, सारिका, कोमल, मयंक सहित अन्य विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का सबसे रोमांचक क्षण मिस्टर एवं मिस फ्रेशर के खिताब की घोषणा का रहा। विभिन्न चरणों के बाद शिवम कोली को मिस्टर फ्रेशर तथा आकांक्षा चौधरी को मिस फ्रेशर चुना गया। दोनों विजेताओं को शिक्षकों द्वारा ताज पहनाकर एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विजेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने वरिष्ठ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रति आभार जताया।

इस अवसर पर डायरेक्टर मो. अरशद, विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव वर्मा, प्रो. राजेश कुशवाह, डॉ. ऐश्वर्या सिंह, डॉ. स्वाति राजपूत सहित विभाग के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। शिक्षकों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए समाज कार्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता, समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन में डायरेक्टर मो. अरशद ने कहा कि समाज कार्य केवल एक डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की सेवा और सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से इसी उत्साह और सेवा भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से भोजन किया तथा समूह छायाचित्र के माध्यम से इस यादगार आयोजन की सुखद स्मृतियों को संजोया।

नगला लोहिया बना हादसों का स्पॉट, दो टक्करों में पांच घायल!

फतेहाबाद। थाना क्षेत्र के फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग पर नगला लोहिया के पास दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसों के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे आगरा रेफर कर दिया गया।

पहली घटना में भदरौली निवासी विजय सिंह पुत्र चक्रपान अपने बेटे मोनू के साथ फिरोजाबाद क्षेत्र में अपनी बेटी के लिए घर देखने जा रहे थे। नगला लोहिया के पास सामने से आ रहे बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र घायल हो गए, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

वहीं, दूसरी घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। गांव नगरिया निवासी वीरी सिंह पुत्र जगराम अपने बेटे बंटी और दामाद मनोज के साथ घर में शादी के लिए सामान खरीदने फतेहाबाद जा रहे थे। नगला लोहिया के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ऑटो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों घायल हो गए। ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां वीरी सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें आगरा रेफर कर दिया। पुलिस दोनों हादसों की जानकारी कर रही है।

पौराणिक नारी पात्रों द्वारा नारी सशक्तीकरण को बुलंद कर रहीं रेनू 'अंशुल'







टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा में जन्मीं, पली-बढ़ीं और शिक्षित तथा डीवीवीएनएल, आगरा से सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी श्री अंशुल अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती रेनू 'अंशुल' पौराणिक नारी पात्रों के माध्यम से नारी सशक्तीकरण के स्वर को बुलंद कर रही हैं। उनके पौराणिक उपन्यास गाथा पंचकन्या के बाद अब उनका नया पौराणिक उपन्यास उर्मिला - अयोध्या की मौन साधिका प्रलेक प्रकाशन से प्रकाशित हुआ है।

उपन्यास का विमोचन गाजियाबाद में कथा रंग जैसे प्रबुद्ध मंच से हुआ। विमोचन के दौरान देश के वरिष्ठ साहित्यकार अशोक मैत्रेयी, महेश दर्पण, बलराम, सुभाष चन्द्र, आलोक यात्री, हरियश राय और कमलेश भट्ट 'कमल' जी के अतिरिक्त अंशुल अग्रवाल और भारी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि रेनू 'अंशुल' पौराणिक नारी पात्रों को आज की नारी की शक्ति, धैर्य, त्याग और आत्मसम्मान के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। रेनू 'अंशुल' ने कहा कि 'उर्मिला' की यह कथा स्त्रियों को केवल देवी नहीं अपितु एक निर्णयकर्ता के रूप में देखने, सुनने और महसूस करने का आमंत्रण है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

डिजिटल युग की इस अंधी रफ्तार में अपनों से दूर होती दूरियां

आज की इस आधुनिक और तकनीक से पूरी तरह लैस दुनिया में जहां हम एक पल में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से वीडियो कॉल पर बात कर सकते हैं, वहीं हमारे घर की चारदीवारी के भीतर बैठे अपनों के बीच की दूरियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हमारे हाथों में चिपकी रहने वाली यह स्मार्टफोन की स्क्रीन हमें भले ही सोशल मीडिया पर हजारों दोस्तों से जोड़े रखती है, लेकिन यह हमारे अपने सगे-सम्बन्धियों को हमसे कोसों दूर ले जा रही है। परिणाम यह हो रहा है कि अब एक ही छत के नीचे रहने वाले माता-पिता भाई-बहन और जीवनसाथी भी आपस में दिल की बात साझा करने के बजाय अपने-अपने मोबाइल की नीली रोशनी में खोए रहते हैं। पारिवारिक बैठकों और भोजन की टेबल पर होने वाली वे जीवंत और गर्मागरम चचाएं अब धीरे-धीरे एक अजीब से और भारी सन्नाटे में तब्दील होती जा रही हैं जहाँ हर कोई अपनी वर्चुअल दुनिया में व्यस्त नजर आता है। यह आधुनिकता का एक ऐसा कड़वा सच है जो हमें आपस में जोड़ने के बड़े-बड़े वादे तो करता है, लेकिन असलियत में हमें इंसानी जज्बातों और भावनाओं से पूरी तरह काटता जा रहा है। यदि हमने समय रहते इस वर्चुअल लत की इस खतरनाक सीमा को नहीं पहचाना और अपने घरों में संवाद के उन पुराने सांस्कृतिक तथा पारिवारिक रिश्तों को फिर से जीवंत नहीं किया, तो हमारी आने वाली पीढ़ी केवल स्क्रीन पर दिखने वाले आइकनों को ही अपना सब कुछ मान बैठेगी। आइए आज इस भागदौड़ भरी जिंदगी से थोड़ा वक्त निकालकर अपने परिवार और अपनों के साथ कुछ पल बिताएं क्योंकि मोबाइल की बैटरी तो दोबारा चार्ज हो सकती है लेकिन दिलों के बीच की यह दूरी एक बार बढ़ गई तो इसे भरना असंभव हो जाएगा।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब भगवान राम के राज्याभिषेक के समय हनुमान जी ने माता सीता द्वारा दिए गए कीमती मोतियों के हार को तोड़कर यह देखने की कोशिश की थी कि क्या उसमें उनके प्रभु राम बसते हैं

महर्षि वाल्मीकि के रामायण के उत्तरकांड और राम राज्याभिषेक के बाद के कई अत्यंत गोपनीय तथा दुर्लभ अध्यायों में अयोध्या के पावन राजमहल से जुड़ा यह अनोखा और भावुक प्रसंग संपूर्ण सृष्टि में हनुमान जी की अपनी आराध्य के प्रति अनन्य और अद्वितीय भक्ति के उस गुप्त सत्य को उजागर करता है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर भगवान श्री राम का भव्य राज्याभिषेक संपन्न हुआ, तब माता सीता ने अत्यंत प्रसन्न होकर अपने गले का वह बहुमूल्य और कीमती मोतियों का हार उतारकर हनुमान जी को प्रेम और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में भेंट किया था।

हनुमान जी ने माता सीता द्वारा दिए गए उस दिव्य उपहार को बहुत ही आदर के साथ अपने दोनों हाथों से स्वीकार तो कर लिया, लेकिन दरबार के सभी दरबारी यह देखकर हैरान रह गए कि हनुमान जी ने उस हार के मोतियों को एक-एक करके अपने दांतों से तोड़ना शुरू कर दिया।

सभा में मौजूद कुछ दरबारी और मंत्रियों ने जब यह देखा कि हनुमान जी उन बेशकीमती मोतियों को तोड़कर फेंक रहे हैं, तो उन्होंने आश्चर्य और थोड़े से गुस्से के साथ उनसे यह सवाल पूछा कि हे वीर हनुमान तुम इन पवित्र मोतियों का ऐसा अपमान क्यों कर रहे हो।

हनुमान जी ने अपनी चिर-परिचित सरल और निर्मल मुस्कान के साथ उन सभी दरबारियों को जवाब देते हुए कहा कि मैं इन मोतियों को तोड़कर केवल यह देख रहा हूँ कि क्या इनमें मेरे स्वामी भगवान राम और माता सीता का वास है या नहीं।

जब दरबारियों ने व्यंग्य करते हुए हनुमान जी से यह पूछा कि क्या तुम्हारे शरीर या इन मोतियों के भीतर भगवान बसते हैं, तब हनुमान जी ने अपनी छाती को अपने दोनों हाथों से चीरकर सभी को वह अद्भुत दृश्य दिखा दिया जिसके भीतर केवल भगवान श्रीराम और माता सीता की ही साक्षात छवि चमक रही थी।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि सच्ची भक्ति किसी बाहरी दिखावे या कीमती वस्तुओं की मोहताज नहीं होती, बल्कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम हो उसके रोम-रोम में केवल ईश्वर का ही वास होता है।

जन्मदिनों का बंपर सीजन! केक, कैंडल और नौ महीने का रहस्य!

बृज खंडेलवाल



क्या आपने गौर किया है? सितंबर-अक्टूबर - नवंबर में जन्मदिनों की ऐसी बरसात शुरू हो जाती है, मानो केक पर जीएसटी माफ हो गया हो! मोबाइल खोलिए तो हैप्पी बर्थडे की बाढ़। व्हाट्सऐप पर शुभकामनाओं का ट्रैफिक जाम। फेसबुक पर केक, मोमबत्तियों और मुस्कराते चेहरों की परेड। लगता है, आधा देश इन्हीं दिनों पैदा हुआ है!

आखिर माजरा क्या है? सितारों की खास मेहरबानी है या दिसंबर की शादियों का नौ महीने बाद मिलने वाला नतीजा? कहीं सरकारी बाबुओं की कलम ने भी इस जन्मदिन बहार में गुल तो नहीं खिलाए?

जरा अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दफ्तर के साथियों की जन्मतिथियाँ देखिए। 15 सितंबर से 15 नवंबर की अवधि में जन्मे लोगों की अच्छी-खासी फौज नजर आएगी। इन महीनों ने जैसे जन्मदिन मनाने का ठेका ले रखा है!

फिल्मी दुनिया में भी इस मौसम की खूब धूम है। अमिताभ बच्चन, रेखा, शबाना आजमी, करीना कपूर, रणबीर कपूर और प्रभास जैसे सितारों के जन्मदिन इसी अवधि में आते हैं। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में भी बड़े नामों की कमी नहीं। नरेंद्र मोदी, महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जन्मतिथियाँ भी इसी मौसम में पड़ती हैं। लता मंगेशकर और आशा पारेख जैसे नाम इस सूची की चमक बढ़ाते हैं।

विदेशी सितारों की जन्मपत्री भी कम दिलचस्प नहीं। टॉम हार्डी, सोफिया लॉरेन, बिल मरे, ब्रूस स्प्रिंगस्टीन, विल स्मिथ और सेरेना विलियम्स जैसे नाम भी इस अवधि में आते हैं। अक्टूबर में केट विंसलेट, मैट डेमन, ह्यू जैकमैन और जूलिया रॉबर्ट्स का जन्मदिन है। नवंबर में लियोनार्डो डिकैप्रियो, रयान गोस्लिंग और वूपी गोल्डबर्ग की बारी आती है।

यानी जन्मदिनों का यह बंपर सीजन सिर्फ भारत की घरेलू कहानी नहीं। दुनिया भर के सितारे भी इसी मौसम में मोमबत्तियाँ बुझाते नजर आते हैं! आपका जन्मदिन भी इन महीनों में है तो मुबारक हो! आप भी इस अनौपचारिक सितारा क्लब के सदस्य हैं। बस अमिताभ बच्चन जैसी फीस और लोकप्रियता की उम्मीद मत पालिएगा। जन्मतिथि मिल सकती है, बैंक बैलेंस नहीं!

जाड़ों की शहनाई, नौ महीने बाद किलकारी!

अब असली सवाल पर आते हैं। आखिर सितंबर-अक्टूबर में जन्मदिनों की इतनी भीड़ क्यों दिखाई देती है?

एक ज्योतिषी ने इसका रिश्ता दिसंबर की शादियों से जोड़ दिया। उनका तर्क है कि दिसंबर में खूब शादियाँ होती हैं। फिर नौ महीने बाद सितंबर-अक्टूबर में बच्चों की आमद बढ़ जाती है। बात में दम भी है और थोड़ा फिल्मी रोमांस भी! दिसंबर में शहनाइयाँ बजती हैं और सितंबर में घरों में किलकारियाँ गूँजती हैं। शादी का सीजन खत्म होते ही नौ महीने बाद जन्मदिनों का सीजन शुरू! हालाँकि, कहानी इतनी सीधी नहीं है। भारत में नवंबर से फरवरी तक शादी-ब्याह का मौसम पूरे शबाब पर रहता है। ठंडा मौसम, शुभ मुहूर्त, बैंड-बाजा, बारात और पकवान! इस दौरान शादियों की खूब धूम रहती है। इसके नौ-दस महीने बाद बच्चों की आमद बढ़ना स्वाभाविक लगता है।

लेकिन यह सिर्फ एक संभावित वजह है, पूरा वैज्ञानिक जवाब नहीं। गर्भधारण का समय, मौसम, सामाजिक आदतें और स्थानीय परंपराएँ भी जन्म के महीनों को प्रभावित कर सकती हैं। प्रकृति का अपना कैलेंडर है। भारतीय परिवार शायद उसे शादी के मुहूर्त से मिलाकर चलते हैं! इस दिलचस्प पहेली में आंकड़े भी अपनी गवाही देते हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, भारत में सितंबर में जन्मों की हिस्सेदारी करीब 9.3 प्रतिशत थी। अगस्त से नवंबर तक के चार महीनों में लगभग 37 प्रतिशत जन्म दर्ज हुए।

यानी कुछ महीनों में जन्मों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। इसके पीछे मौसम, सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक जीवन की भूमिका संभव है।

शहरी परिवारों में अब एक नया पहलू भी जुड़ गया है। कुछ माता-पिता बच्चों के स्कूल में दाखिले की उम्र को ध्यान में रखकर जन्म का समय तय करने की कोशिश करते हैं।

स्कूल की उम्र सीमा, दाखिले की आखिरी तारीख और भविष्य की पढ़ाई का हिसाब पहले ही शुरू हो जाता है। बच्चा अभी दुनिया में आया भी नहीं और उसके करियर की फाइल तैयार होने लगती है!

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चा स्कूल में उम्र के लिहाज से आगे रहे। आखिर आजकल बचपन भी प्रतियोगिता से अछूता कहाँ है? नर्सरी में दाखिले के लिए भी रणनीति बनती है!

बेशक, यह हर परिवार की कहानी नहीं है। लेकिन आधुनिक जिंदगी में स्कूल का कैलेंडर भी पारिवारिक फैसलों को प्रभावित करने लगा है।

भारत इस मामले में अकेला नहीं है। अमेरिका में भी सितंबर में जन्मदिनों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक देखी गई है। वहाँ क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के दौरान परिवारों के साथ बिताया गया समय इसकी एक संभावित वजह माना जाता है।

यानी भारत में शहनाइयाँ और अमेरिका में क्रिसमस की घंटियाँ! संस्कृतियाँ अलग हैं, लेकिन नौ महीने का गणित दिलचस्प समानताएँ दिखाता है।

तो अगली बार कोई अपना जन्मदिन 10 अक्टूबर या 15 नवंबर बताए, तो जरा मुस्कराइएगा। हो सकता है सितारों की मेहरबानी हो। शायद दिसंबर की किसी शादी का असर हो। और यह भी मुमकिन है कि बरसों पहले किसी बाबूजी ने रजिस्टर में अपनी कलम का जादू दिखाया हो!

आखिर जन्मतिथि के मामले में भारत का सरकारी रिकॉर्ड भी कम दिलचस्प नहीं। कहीं असली तारीख दर्ज है, कहीं स्कूल के दाखिले वाली और कहीं परिवार की बताई हुई तारीख ने ही सरकारी मान्यता पा ली!

कारण जो भी हो, जन्मदिनों का यह मौसम बाजार के लिए किसी त्योहार से कम नहीं। केक वालों की चाँदी है, गिफ्ट वालों की मौज और फूल वालों की दुकान पर रौनक। व्हाट्सऐप पर बधाइयों का कारोबार अलग चल रहा है। एक बात जरूर है। जन्मदिन मनाने के लिए उम्र नहीं, बहाना चाहिए। और भारतीयों को बहानों की कभी कमी नहीं रही!

हमारे यहाँ इंसान की पैदाइश में प्रकृति का हाथ है, परंपराओं का साथ है और कभी-कभी सरकारी बाबू का आशीर्वाद भी!

तो केक काटिए, मोमबत्तियाँ बुझाइए और खुशियाँ मनाइए। जन्म की तारीख सितारों ने तय की हो या बाबूजी ने, पार्टी की तारीख तो आप खुद तय कीजिए!

आखिर जिंदगी में जन्मदिन बार-बार नहीं आते, लेकिन केक खाने के मौके बार-बार मिलने चाहिए!

देवउठनी एकादशी: समाज का पुनर्जागरण

डॉ. दीपक गोस्वामी

देवउठनी एकादशी को हम भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने का पर्व मानते हैं। लेकिन क्या कभी हमने स्वयं से पूछा कि भगवान के जागने की प्रतीक्षा करने वाला समाज आखिर कब जागेगा? क्या भूखे किसान, बेरोजगार युवा, उपेक्षित बुजुर्ग, असहाय महिलाएं, निराश्रित पशु और पर्यावरण की पीड़ा से कराहती प्रकृति हमारी चेतना को नहीं झकझोरते? देवउठनी एकादशी का वास्तविक सामाजिक संदेश इसी प्रश्न में छिपा है। यह केवल देवोत्थान नहीं, मनुष्य के विवेक, संवेदना और कर्तव्यबोध के जागरण का अवसर है। धार्मिक मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी से भगवान विष्णु योगनिद्रा में जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। इन चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है। देवउठनी अथवा देवोत्थान एकादशी के बाद अनेक मांगलिक कार्यों, विशेषकर विवाह संस्कारों के मुहूर्त पुनः आरंभ होते हैं। यह हमारी पौराणिक परंपरा और सामाजिक जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इसे केवल वैदिक विधान कहना उचित नहीं होगा, बल्कि इसके आध्यात्मिक और सामाजिक अर्थों को समझना अधिक आवश्यक है।

आध्यात्मिक जागरण : विष्णु नहीं, हमारा विवेक जागे

विष्णु को व्यापकता और पालन का प्रतीक माना जाता है। लक्ष्मी केवल धन-संपत्ति नहीं, अन्न, ज्ञान, आरोग्य, परिश्रम और समृद्धि की भी प्रतीक हैं। प्रश्न यह है कि जिस समाज में धन तो बढ़ रहा है, लेकिन संवेदना घट रही है, वहां वास्तविक लक्ष्मी कहां हैं? जिस परिवार में सुविधाएं हैं, लेकिन बुजुर्ग अकेले हैं, वहां समृद्धि का अर्थ क्या है? देवउठनी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर देती है। क्या हमारा विवेक जागा? क्या हमारी कमाई ईमानदार हुई? क्या हमारे व्यवहार में करुणा आई? क्या हमने किसी जरूरतमंद का हाथ थामा? भगवान के जागरण की धार्मिक मान्यता तभी सामाजिक अर्थ प्राप्त करती है, जब मनुष्य अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो।

तुलसी विवाह : प्रकृति से पारिवारिक संबंध का संस्कार

देवउठनी एकादशी की सुंदर परंपराओं में तुलसी विवाह विशेष स्थान रखता है। तुलसी को भारतीय घरों में पवित्रता, श्रद्धा और पारंपरिक औषधीय उपयोगिता का प्रतीक माना गया है। तुलसी विवाह का संदेश केवल एक पौधे का धार्मिक पूजन नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध स्थापित करना भी हो सकता है।

आज संसार जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता के विनाश जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे समय में तुलसी विवाह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति उपभोग की वस्तु नहीं, जीवन का आधार है। लेकिन केवल एक दिन तुलसी के सामने दीपक जलाना पर्याप्त नहीं। उसकी नियमित देखभाल, जल संरक्षण, वृक्षारोपण और हरित परिवेश का निर्माण भी आवश्यक है।

तुलसी में यूजेनॉल सहित अनेक जैव सक्रिय तत्व पाए जाते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में इसके कुछ औषधीय गुणों के संकेत मिले हैं, लेकिन इसे सभी रोगों का उपचार अथवा निश्चित रोग प्रतिरोधक औषधि कहना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। श्रद्धा और विज्ञान का संबंध सत्य तथा विवेक पर आधारित होना चाहिए।

सामाजिक समरसता : एक मंडप, अनेक परिवार, एक समाज

तुलसी विवाह और सामूहिक धार्मिक आयोजन समाज को एकत्रित करने के अवसर हैं। इसमें गरीब और संपन्न, ग्रामीण और शहरी, सभी को समान सम्मान के साथ सम्मिलित करने की संभावना है। लेकिन यह समानता तभी सार्थक है, जब जाति, वर्ग, लिंग और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न हो।

समरसता केवल मंच से दिए गए भाषणों से नहीं आती। वह तब आती है, जब समाज का संपन्न व्यक्ति निर्धन के साथ बैठता है, जब किसी विधवा को सम्मान मिलता है और जब वंचित परिवार को भी धार्मिक तथा सामाजिक गतिविधियों में बराबर की भागीदारी मिलती है।

विवाह को संस्कार कहना उचित है, लेकिन संस्कार का अर्थ दहेज, दिखावा और आर्थिक बोझ नहीं। विवाह में सहमति, समानता, परस्पर सम्मान और जिम्मेदारी का होना अनिवार्य है। तुलसी विवाह से प्रेरणा लेकर हमें मनुष्य के वैवाहिक संबंधों में भी इन मूल्यों को प्रतिष्ठित करना चाहिए।

आर्थिक जागरण : उत्सव से रोजगार और आत्मनिर्भरता तक

देवउठनी के बाद अनेक क्षेत्रों में विवाह और मांगलिक आयोजनों का मौसम आरंभ होता है। इससे हलवाई, कुम्हार, फूल विक्रेता, दर्जी, सुनार, टेंट संचालक, बैंड कलाकार, फोटोग्राफर, वाहन चालक और छोटे दुकानदारों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार वर्ष 2025 के 1 नवंबर से 14 दिसंबर के विवाह सत्र में लगभग 46 लाख विवाह और 6.5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया गया था। यह व्यापारिक संगठन का अनुमान है, सरकारी लेखा अथवा प्रमाणित राष्ट्रीय गणना नहीं।

इस आर्थिक गतिविधि का वास्तविक लाभ तभी अंतिम जन तक पहुंचेगा, जब स्थानीय कारीगरों, छोटे दुकानदारों और श्रमिकों को उचित पारिश्रमिक मिले। मिट्टी के दीपक, स्थानीय फूल, मौसमी फल और क्षेत्रीय उत्पाद खरीदना स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहारा दे सकता है। साथ ही विवाह के नाम पर कर्ज, अपव्यय और दिखावे की प्रतिस्पर्धा समाप्त करना भी आवश्यक है।

वैज्ञानिक जागरूकता : व्रत में श्रद्धा, स्वास्थ्य में सावधानी

एकादशी व्रत आत्मसंयम, अनुशासन और भोजन संबंधी सजगता की धार्मिक परंपरा है। आधुनिक चिकित्सा में भी समयबद्ध भोजन और अंतराल पर उपवास के प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है। लेकिन प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपवास लाभकारी हो, ऐसा प्रमाणित नहीं है।

समुद्र में ज्वार-भाटा पर चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव पड़ता है। अमावस्या और पूर्णिमा के आसपास सामान्यतः बड़े ज्वारीय अंतर देखने को मिलते हैं। इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि एकादशी के दिन मानव शरीर में समुद्र जैसा ज्वार उत्पन्न होता है अथवा शरीर पर कोई विशेष चंद्र प्रभाव पड़ता है।

मधुमेह, गर्भावस्था, वृद्धावस्था और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को चिकित्सकीय सलाह के बिना कठिन उपवास नहीं करना चाहिए। धर्म का उद्देश्य जीवन को अनुशासित बनाना है, स्वास्थ्य को संकट में डालना नहीं।

मनोवैज्ञानिक जागरण : दीपक से आगे मनुष्य तक

सामूहिक दीपदान, भजन, पारिवारिक सहभागिता और सामाजिक मेल-मिलाप व्यक्ति में अपनापन तथा सकारात्मकता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। अकेलेपन से जूझ रहे बुजुर्गों, निराश युवाओं और उपेक्षित परिवारों को सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता है।

लेकिन अवसाद केवल नकारात्मक सोच नहीं है और न ही दीपदान उसका चिकित्सकीय उपचार है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या में विशेषज्ञ की सहायता लेना आवश्यक हो सकता है। धार्मिक उत्सव उपचार का विकल्प नहीं, सामाजिक सहारे का माध्यम बन सकते हैं।

अंतिम जन का संकल्प : पूजा से सेवा तक

इस देवउठनी एकादशी पर तीन दीपक जलाने का संकल्प लें। पहला अपने घर में, दूसरा किसी जरूरतमंद के घर में और तीसरा किसी सेवा स्थल पर। तीन पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल करें। किसी निर्धन परिवार की शिक्षा, भोजन अथवा स्वास्थ्य सहायता में योगदान दें। गौशाला में दीपक जलाने के साथ गोवंश के चारे, पानी और चिकित्सा की व्यवस्था में सहयोग करें। किसानों की फसल की सुरक्षा और उचित मूल्य के लिए भी अपनी आवाज उठाएं।

देवता और समाज दोनों को उठना ही होता है

देवउठनी एकादशी का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब तुलसी की पूजा के साथ प्रकृति की रक्षा, लक्ष्मी की आराधना के साथ श्रम का सम्मान, विष्णु के जागरण के साथ विवेक का जागरण और दीपदान के साथ जरूरतमंद के जीवन में वास्तविक प्रकाश पहुंचे। मंदिर का दीपक श्रद्धा है, गरीब के घर पहुंचा दीपक संवेदना है, तुलसी का पूजन परंपरा है और उसकी देखभाल पर्यावरण धर्म है। भूखे पशु को भोजन, निराश्रित को आश्रय और असहाय को सम्मान देना ही धर्म का धरातलीय स्वरूप है। जिस दिन हमारा समाज इन संकल्पों को अपने व्यवहार में उतार लेगा, उसी दिन देवउठनी केवल पंचांग की एक तिथि नहीं रहेगी, बल्कि सामाजिक नवजागरण का महापर्व बन जाएगी।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 20 नवंबर 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक और मकर राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन जगत जननी मां महालक्ष्मी और वैभव के दाता शुक्र ग्रह की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन मां लक्ष्मी के मंदिर में जाकर कमल का पुष्प और खीर का भोग लगाने तथा श्री सूक्त का पाठ करने से जीवन के सभी आर्थिक संकट दूर होते हैं और अटूट धन तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। मां लक्ष्मी को लाल पुष्प अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में सफेद मिठाई का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। श्री सूक्त का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में चावल और मिश्री भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। मां लक्ष्मी को इत्र अर्पित करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद कन्या को सफेद वस्त्र दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सौंदर्य क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में चांदी का सिक्का अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शुक्रवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। मां लक्ष्मी के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन घर की दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां श्रीयंत्र स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर सुगंधित सफेद फूलों की वंदनवार सजाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा मां महालक्ष्मी की कृपा से घर में धन आगमन और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

जनगणना में भागीदारी का संदेश, ब्लॉक प्रमुख ने खुद की स्व-गणना

- जनगणना-2027 के लिए 16 से 30 नवंबर तक डिजिटल अभियान
- ब्लॉक प्रमुख ने परिवार सहित स्व-गणना कर दिखाई पहल
- नागरिकों से राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान



❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित डिजिटल स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) अभियान को जन-जन तक पहुंचाने एवं नागरिकों को इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वयं तथा अपने परिवार की स्व-गणना कर सहभागिता का प्रेरक संदेश दिया जा रहा है।

इसी क्रम में आज क्षेत्र पंचायत बलदेव के अध्यक्ष (ब्लॉक प्रमुख) प्रतीक चौधरी ने जागरूकता की सार्थक पहल करते हुए स्वयं अपनी स्व-गणना की प्रक्रिया पूर्ण की तथा क्षेत्रवासियों से भी इस राष्ट्रीय अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने स्वयं आगे आकर यह संदेश दिया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय संरचना को समझने और भविष्य की विकास योजनाओं को सशक्त आधार प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख चौधरी जी ने अपने प्रेरणाप्रद संदेश में कहा कि सभी क्षेत्रवासी 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध डिजिटल स्व-गणना की सुविधा का लाभ उठाते हुए स्वयं एवं अपने परिवार की स्व-गणना पूर्ण कर राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व के निर्वहन और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी के रूप में स्वीकार करें।

उक्त स्व-गणना की प्रक्रिया फील्ड ट्रेनर सुशेंद्र मित्तल एवं संजय कुमार तथा सुपरवाइजर डॉ. जगदीश पाठक द्वारा संपन्न कराई गई।

पशु चिकित्सा विज्ञान में शोध का महाकुंभ!

मथुरा में जुटे देश-विदेश के 300 विशेषज्ञ

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (उ्रश्अ-रव), मथुरा में पशु चिकित्सा रोग विज्ञान कांग्रेसङ्ग2026 का भव्य शुभारंभ गरिमामय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर देश के विभिन्न पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों से आए वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सा रोग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। चार दिवसीय इस कांग्रेस में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

समारोह में स्वागत संबोधन प्रो. विकास पाठक, अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कांग्रेस के आयोजन के उद्देश्यों तथा पशु चिकित्सा विज्ञान में रोग विज्ञान (पैथोलॉजी) के महत्व पर प्रकाश डाला।



इस अवसर पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट (क्अश्ढ) के महासचिव डॉ. आर.वी.एस. पवैय्या तथा इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट (क्ह्श्ढ) के सचिव डॉ. डी.वी. जोशी ने अपनी-अपनी संस्थाओं की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आईएवीपी के अध्यक्ष डॉ. के.पी. सिंह एवं क्ह्श्ढ के अध्यक्ष डॉ. सी. बालचंद्रन ने अपने संबोधन में पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं व्यावसायिक दक्षता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह के दौरान क्अश्ढ के पूर्व अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, क्अश्ढ द्वारा उत्कृष्ट योगदान के लिए 3 जर्नल पुरस्कार एवं 3 फेलोशिप पुरस्कार प्रदान किए गए तथा आईसीवीए की ओर से 8 डिप्लोमेट प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशेषज्ञों एवं विद्वानों की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस के महत्वपूर्ण अवसर पर क्अश्ढउ्ठ-2026 की स्मारिका, पशु चिकित्सा रोग विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय, रडवअरळ, जम्मू द्वारा तैयार की गई पुस्तक तथा आईसीवीए के प्रथम उद्घाटन समाचार-पत्र प्रेक्टिकल वेटरिनरी पैथोलॉजी का विमोचन किया गया। इन प्रकाशनों को पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान, अनुसंधान एवं वैज्ञानिक विचारों के आदान-प्रदान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

- देश-विदेश के 300 वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और शोधार्थी ले रहे हिस्सा
- उत्कृष्ट योगदान के लिए जर्नल पुरस्कार, फेलोशिप और डिप्लोमेट प्रमाण-पत्र प्रदान
- पशु रोगों की सटीक पहचान और उन्नत निदान तकनीकों पर होगा मंथन

समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) बी.एन. त्रिपाठी, माननीय कुलपति, रडवअरळ, जम्मू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पशुओं में होने वाले रोगों की समय पर पहचान, सटीक निदान एवं प्रभावी नियंत्रण में रोग विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दुवासु, मथुरा के माननीय कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा पशु चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजन वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं युवा शोधकताओं को एक साझा मंच प्रदान करते हैं तथा नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों एवं अनुसंधान निष्कर्षों के आदान-प्रदान में सहायक होते हैं। समारोह में मंचासीन अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में आयोजन सचिव डॉ. देश दीपक सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पशु चिकित्सा रोग विज्ञान कांग्रेसङ्ग2026 का यह आयोजन पशु चिकित्सा रोग विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान, रोग निदान की उन्नत तकनीकों, वैज्ञानिक नवाचारों एवं अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कांग्रेस से पशु स्वास्थ्य अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ देश में पशुधन विकास को भी नई दिशा मिलने की अपेक्षा है।

तेज रफ्तार टेम्पो ने स्कूल बस में मारी टक्कर, दो छात्र घायल

- सैंया बाईपास पर तेज रफ्तार टेम्पो ने स्कूल बस में मारी टक्कर
- बस के चकनाचूर हुए शीशे, दो छात्र घायल
- घायल छात्र हरीश को अस्पताल में कराया भर्ती



❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सैंया।

सैंया बाईपास पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार टेम्पो ने माही स्कूल की बस में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस के दाईं ओर के शीशे टूट गए और शीशों के टुकड़े लगने से बस में सवार दो छात्र घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बुधवार सुबह करीब 8:45 बजे माही स्कूल की बस बच्चों को लेकर अपने निर्धारित समय पर जा रही थी। इसी दौरान आगरा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टेम्पो ने सैंया बाईपास पर बस के दाहिने हिस्से में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस की खिड़कियों के शीशे चकनाचूर हो गए।

शीशे के टुकड़े लगने से बस में सवार दो छात्र घायल हो गए। घायलों में इरादतनगर निवासी हरीश भी शामिल है। स्थानीय लोगों और स्कूल स्टाफ की मदद से हरीश को उपचार के लिए नजदीकी हॉस्पिटल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं दूसरे छात्र को मामूली चोटें आई हैं ।

आस्था का सैलाब, सड़कों पर महाजाम!

परिक्रमा में फंसी मथुरा की रफ्तार

- मसानी से भूतेश्वर तक जाम, घंटों रेंगते रहे वाहन
- परिक्रमा मार्ग में बेरोकटोक घुसे दोपहिया और चारपहिया वाहन
- महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भीड़ के बीच फंसे, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



मथुरा में देवउठनी एकादशी की पंचकोसी और तीन वन की परिक्रमा के दौरान भारी भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। परिक्रमार्थियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस भी असहाय दिखी।

अक्षय नवमी व देवउठनी एकादशी के पावन पर्व पर धर्म नगरी मथुरा और वृंदावन में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुण्य लाभ कमाने के लिए मथुरा-वृंदावन की युगल जोड़ी (तीन वन) और पंचकोसी परिक्रमा लगा रहे हैं। लेकिन इस विशाल धार्मिक आयोजन के बीच स्थानीय प्रशासन के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

परिक्रमा मार्ग के प्रमुख चौराहों और संवेदनशील बिंदुओं पर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती न होने से व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो गई है। बैरिकेडिंग के अभाव और रूट डायवर्जन का सख्ती से पालन न होने के कारण परिक्रमा मार्ग में दोपहिया और चारपहिया वाहन बेरोकटोक घुस आए। इससे न केवल परिक्रमार्थियों के पैदल चलने का रास्ता बाधित हुआ, बल्कि कई जगहों पर भीषण जाम की स्थिति पैदा हो गई। मसानी चौराहा, भूतेश्वर, धौली प्याऊ और वृंदावन मार्ग पर घंटों तक वाहन रेंगते नजर आए। सदर से टैंक चौराहा तक जाम ही जाम रहा। भीड़ के दबाव और अव्यवस्था के बीच महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक कठिनाई झेलनी पड़ी। स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं में प्रशासन की इस लापरवाही को लेकर गहरा रोष है। लोगों का कहना है कि हर साल देवउठनी एकादशी पर लाखों श्रद्धालुओं के आने की जानकारी होने के बावजूद प्रशासन ने समय रहते ठोस कार्ययोजना तैयार नहीं की।

श्रद्धालुओं ने मांग की है कि परिक्रमा मार्ग को पूरी तरह वाहन मुक्त (नो-ट्रैफिक जोन) घोषित किया जाए और प्रमुख बिंदुओं पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर यातायात व्यवस्था को तत्काल सुचारु बनाया जाए।



रेजांगला के वीरों को नमन, 114 दीपों से दी वीरांजलि

मथुरा। 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की रणभूमि पर अदम्य साहस दिखाने वाले वीर अहीर सैनिकों को अड़ींग में श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की महिला इकाई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 114 दीप प्रज्वलित कर वीर सैनिकों को वीरांजलि अर्पित की गई। जिलाध्यक्ष पूनम यादव के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रम में समाज की मातृशक्ति और बुजुर्गों ने पुष्पांजलि अर्पित कर वीर रणबांकुरों का स्मरण किया। इस दौरान वीर सैनिकों के सम्मान में जयघोष भी किए गए।

अक्षय नवमी पर सेवा की मिसाल! परिक्रमार्थियों के लिए सजा भंडारा



मथुरा। अक्षय नवमी पर महाविद्या कॉलोनी में जगन्नाथ आश्रम पर परिक्रमार्थियों के लिए छठवीं बार प्रसाद वितरण मित्र मंडली ने किया। सुबह पोहा चाय वितरित की गई। उसके बाद कचौड़ी, बेड़ई और मिष्ठान का वितरण किया। उसके बाद दोपहर में पूड़ी सब्जी के संग पानी के पाउच भी परिक्रमार्थियों के लिए वितरित किए। सुबह से परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए जुटी मित्र मंडली पूरी शिद्दत से जुटी रही। आश्रम के संचालक गोपाला चतुर्वेदी ने कहा कि अक्षय नवमी पर परिक्रमार्थियों के लिए यह सेवा प्रत्येक वर्ष की जाती है। इसमें मित्र मंडली के सहयोग से सेवा का कार्य संपन्न होता है। उन्होंने बताया कि यह सेवा का क्रम नहीं थमेगा। हर वर्ष यह सेवा जीते जी जारी रहेगी। दूर दराज से आने वाले परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए इससे बड़ा पुण्य कोई नहीं है। इस मौके पर पार्षद राकेश भाटिया, श्याम ठाकुर, विक्रांत पंडित, मिंटू शर्मा, नट्टू पंडित, मृदुलकांत चतुर्वेदी, प्रेमशंकर सारस्वत, संजय बंसल, बॉबी शर्मा, प्रीतम ठाकुर, मनीष चौहान, मोहन सांझी आर्ट, अमर सिंह ठाकुर परिक्रमार्थियों की सेवा में जुटे रहे।

वोटर बनने का मौका न छूटे! मतदाता जागरूकता का महाअभियान

स्वीप टीम ने प्रदर्शनी लगाकर युवाओं को समझाई वोटर बनने की प्रक्रिया

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन बीएसए कॉलेज के श्याम चरण हॉल के कॉरिडोर में स्वीप ईएलसी टीम द्वारा आयोजन किया गया, जिसमें नवीन मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म 6, नाम डिलीट करवाने के लिए फॉर्म 7 तथा नाम एवं पता परिवर्तन के लिए फॉर्म 8 विवरण वाले विभिन्न पोस्टर का प्रदर्शन किया गया।

प्रत्येक जागरूकता स्टॉल पर उपस्थित स्वीप टीम सदस्य द्वारा युवाओं, छात्र-छात्राओं व नवीन मतदाताओं को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीकरण करने की विधि आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।

सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा व बीएसए कॉलेज प्राचार्य ललित शर्मा ने अपने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि यह मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी निश्चित रूप से मतदाता पंजीकरण वृद्धि में सहायक सिद्ध होगी। स्वीप कोऑर्डिनेटर डा0 दीनदयाल ने जानकारी देते हुए बताया कि फॉर्म 6, 7 एवं 8 ऑनलाइन वेबसाइट पर जाकर भी भर सकते हैं।

प्रदर्शनी के स्टॉल पर उपस्थित युवाओं व छात्र-छात्राओं ने मतदाता संबंधी विभिन्न भ्रांतियों का निराकरण किया गया।

डीएलएमटी श्री मनीष दयाल ने प्रदर्शनी में पूरे जिले से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के अंतर्गत जनपद स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने वाले छात्र छात्राओं से अपील करी कि 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी कर चुके अपने-अपने क्षेत्र के नवीन मतदाताओं से फॉर्म 6 भरवाने के लिए जागरूकता फैलाएं।

ईएलसी कोऑर्डिनेटर डा0 अखिलेश यादव ने प्रदर्शनी में संदेश दिया कि फॉर्म 6 भरने के लिए बीएलओ के पास आधार कार्ड, परिवार सदस्य की वोटर आईडी, फॉर्म 7 के लिए स्वयं की वोटर आईडी, आधार कार्ड दस्तावेज बीएलओ को देकर ऑफलाइन आवेदन भर सकते हैं। डॉ0 रोली तिवारी तथा गुरु प्यारी सतसंगी ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी लगती रहनी चाहिए जिससे की मतदाता पंजीकरण अभियान को गति मिल सके।

- नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6, नाम हटाने को फॉर्म-7 की जानकारी
- नाम और पते में संशोधन के लिए समझाया फॉर्म-8 का तरीका
- एक जनवरी 2027 तक 18 साल पूरे करने वालों से पंजीकरण की अपील

कार्यक्रम आयोजन में स्वीप कोऑर्डिनेटर डा0 दीनदयाल, ईएलसी कोऑर्डिनेटर डा0 अखिलेश यादव,डीएलएमटी मनीष दयाल, मांट विधानसभा स्वीप कोऑर्डिनेटर डा0 रोली तिवारी, मथुरा विधानसभा स्वीप कोऑर्डिनेटर गुरुप्यारी सतसंगी, छाता विधानसभा स्वीप कोऑर्डिनेटर राजेश झा का सक्रिय योगदन रहा।

ब्रज को स्वच्छ बनाने का महाअभियान!

अब शिक्षक और डॉक्टर संभालेंगे मोर्चा

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से संचालित ह्यब्रज वैभव अभियानह्ल के अंतर्गत 19 नवंबर दोपहर तीन बजे

डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें जनपद के समस्त

प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, इंटर कालेज और डिग्री कालेजों के सभी शिक्षक, प्रधानाचार्य तथा सभी सरकारी व निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम के चिकित्सक और मेडिकल आफिसर प्रतिभाग करेंगे।

यह सम्मेलन उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में हार्टफुलनेस संस्थान के माध्यम से संचालित इस अभियान के तहत ह्यहम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैह्ल के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की पहल के अंतर्गत आयोजित

किया जा रहा है।

- पांचजन्य प्रेक्षागृह में दोपहर तीन बजे होगा सम्मेलन
- प्रधानाचार्य, शिक्षक, चिकित्सक और मेडिकल ऑफिसर होंगे शामिल
- स्कूलों और अस्पतालों के जरिए घर-घर पहुंचेगा स्वच्छता का संदेश

सम्मेलन में स्वच्छता जनजागरूकता संबंधी अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। साथ ही विद्यालयों, अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

रफ्तार का कहर! कार की टक्कर से टेम्पो चालक लहूलुहान



सैंया। थाना सैंया क्षेत्र के सैंया-खेरागढ़ मार्ग पर नगला केहरी के पास तेज रफ्तार कार ने एक टेम्पो में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टेम्पो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे गांव नगला केहरी निवासी सत्यवीर अपना खाली टेम्पो लेकर सैंया से खेरागढ़ की ओर जा रहे थे। तभी नगला केहरी के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टेम्पो में जोरदार टक्कर मार दी । टक्कर लगते ही टेम्पो अनियंत्रित हो गया और चालक सत्यवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैंया पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर कर दिया ।

बरसाना में किसान के साथ मारपीट और लूट का आरोप, कप्तान से लगाई न्याय की गुहार

मथुरा। मथुरा के बरसाना थाना क्षेत्र के गांव कर्मई में किसान के साथ मारपीट कर ट्रैक्टर, चारा काटने की मशीन और मोबाइल लूटने का आरोप लगा है। पीड़ित दीनदयाल पुत्र श्रीचंद ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर बताया कि 17 नवंबर को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह ट्रैक्टर से चारा काटने की मशीन लेकर जा रहा था। तभी गांव के कुछ लोगों ने टंकी के पास उसे रोक लिया और कथित तौर पर मारपीट कर ट्रैक्टर, मशीन और मोबाइल छीन लिया। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें घटना से जुड़े दृश्य दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। पीड़ित का कहना है कि बरसाना थाने में शिकायत देने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब पीड़ित ने एसएसपी से मुकदमा दर्ज कराने, लूटे गए सामान की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फूलन के बाजूबंद, फूलन की माल, गैया चराय घर आए नंदलाल'

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय श्रीकृष्ण महोत्सव कंस मेले का शुभारंभ विश्राम घाट पर भव्य कृष्ण लीला कार्यक्रम के साथ हुआ। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के स्वरूपों की परिषद अध्यक्ष राजन पाठक ने आरती उतारी। विश्राम घाट पर बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी, मयूर नृत्य और गौचारण लीला का आनंद लिया।

शाम पांच बजे सेठ भीकचंद गली से भगवान श्रीकृष्ण और बलराम घोड़ों पर सवार होकर गाय चराने के लिए गोपाल बाग निकले। उनके साथ चतुर्वेद समाज के बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। इस दौरान समाज के लोगों ने पारंपरिक लोकगीतों का गायन करते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गोपाल बाग पहुंचकर गौचारण लीला का मंचन किया गया।

इसके बाद शाम सात बजे बैंड, ढोल, झांकियों और शहनाई की मधुर धुनों के बीच घोड़ी पर सवार ठाकुरजी की भव्य शोभायात्रा होली गेट की ओर रवाना हुई। शोभायात्रा के दौरान मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ दुबई, मुंबई और गुजरात से आए समाज के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

सेठ भीकचंद गली में 'फूलन के बाजूबंद, फूलन की माल, गैया चराय घर आए नंदलाल' जैसे पारंपरिक लोकगीतों के गायन के साथ मेले का समापन हुआ। देश के कोने-कोने से आए समाज के लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए अपने विचार रखे।

इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष राजन पाठक, महामंत्री संजय एल्पायन एवं संरक्षक राकेश तिवारी ने कंस मेले की ऐतिहासिक परंपरा और आयोजन की जानकारी दी। वहीं दुबई से आए श्रीकांत चतुर्वेदी, शशिकांत चतुर्वेदी, अमन सरदार और आदर्श मोहलेदार ने मेले को अभूतपूर्व आयोजन बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन ब्रज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को जीवंत बनाए रखते हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर फिरोजाबाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट, 142 सेक्टर पुलिस अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

डीएम संतोष शर्मा और एसएसपी आदित्य लांग्हे ने पुलिस लाइन में की चुनावी तैयारियों की समीक्षा, संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

- अवैध हथियार, शराब, मादक पदार्थ और नकदी के अवैध परिवहन पर रहेगी कड़ी नजर; हिस्ट्रीशीटरों और चुनाव में बाधा डालने वाले अराजक तत्वों पर होगी निरोधात्मक कार्रवाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।





आगामी विधानसभा निर्वाचन को निष्पक्ष, स्वतंत्र, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी संतोष शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देश्यीय हॉल में जनपद के 142 सेक्टर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन संबंधी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें।

बैठक में जिलाधिकारी और एसएसपी ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराना प्रशासन एवं पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में चुनावी तैयारियों को समय रहते पूरा कर लें। मतदान केंद्रों की भौगोलिक स्थिति, पहुंच मार्ग, संवेदनशीलता और पूर्व में हुए चुनावी विवादों की जानकारी जुटाकर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था तैयार की जाए। प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी और ड्यूटी की स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए, ताकि निर्वाचन के दौरान किसी भी परिस्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी

अधिकारियों ने सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों के संवेदनशील, अतिसंवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों का चिन्हांकन कर उनका भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। ऐसे केंद्रों के आसपास रहने वाले व्यक्तियों, पूर्व चुनावों में विवाद करने वालों तथा मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले लोगों की जानकारी जुटाई जाए। संवेदनशील इलाकों में नियमित पैदल गश्त और पुलिस भ्रमण बढ़ाया जाए, जिससे मतदाताओं में सुरक्षा का विश्वास कायम रहे और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

हिस्ट्रीशीटरों और अराजक तत्वों पर कसेगा शिकंजा

चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने, मतदाताओं को डराने-धमकाने अथवा प्रलोभन देकर प्रभावित करने वाले अराजक एवं आपराधिक तत्वों को चिह्नित कर उनके खिलाफ प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। हिस्ट्रीशीटर, टॉप-10 अपराधियों, सक्रिय अपराधियों और पूर्व में चुनावी विवादों में शामिल रहे व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने और पुलिस टीमों का गठन कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

अवैध हथियारों और कारतूसों की तस्करी पर कार्रवाई

निर्वाचन के दौरान अवैध हथियारों के इस्तेमाल की आशंका को देखते हुए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। अवैध शस्त्रों का निर्माण, खरीद-फरोख्त और तस्करी करने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अवैध शस्त्र फैक्ट्रियों, निर्माण उपकरणों और कारतूसों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाने के साथ संदिग्ध स्थानों पर निगरानी बढ़ाने को कहा गया।

शराब, मादक पदार्थ और नकदी के अवैध वितरण पर रहेगी नजर

बैठक में अवैध शराब, मादक पदार्थों और प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी एवं वितरण पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए। पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश देकर कार्रवाई करेंगी। इसके अलावा चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नकदी, उपहार और अन्य प्रलोभन सामग्री के वितरण पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी। जनपद में स्थापित चेकिंग प्वाइंटों पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की सघन जांच करने तथा निर्वाचन एवं प्रशासनिक टीमों के साथ समन्वय बनाए रखने को कहा गया।

जनपदीय सीमाओं पर बढ़ेगी चेकिंग, तैयार होगा सुरक्षा प्लान

अन्य जनपदों से जुड़े मार्गों और सीमावर्ती क्षेत्रों में बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहनों की जांच करने के निर्देश दिए गए। अवैध हथियार, शराब, मादक पदार्थ और नकदी के परिवहन पर रोक लगाने के लिए अंतरजनपदीय पुलिस समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया। मतदान केंद्रों एवं मतगणना स्थलों की सुरक्षा, पुलिस बल की तैनाती, रूट प्लान और आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश भी दिए गए।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों, फर्जी वीडियो, अफवाहों और भड़काऊ पोस्ट को लेकर भी अधिकारियों ने सतर्क रहने को कहा। सोशल मीडिया सेल और साइबर सेल को सक्रिय रखते हुए ऐसी प्रत्येक सूचना का तत्काल सत्यापन करने तथा अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों और अकाउंट्स के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आमजन को भी अपुष्ट सूचनाओं को साझा न करने के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी संतोष शर्मा एवं एसएसपी आदित्य लांग्हे ,एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद, ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी कर ली जाएं। आपसी समन्वय, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि जनपद में विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो।



भव्य घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान शुरू

फिरोजाबाद। इंद्रा कॉलोनी स्थित आदिनाथ जिनालय लॉकडाउन टेंपल में आचार्य वसुनंदी महाराज, मुनि अमित सागर महाराज एवं गुरुनंदनी माता के आशीर्वाद से 11 दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य शुभारंभ हुआ। विधानाचार्य सोनू जैन स्पोर्ट्स के निर्देशन में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की शुरूआत भव्य घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ हुई। घटयात्रा श्री महावीर जिनालय इंद्रा कॉलोनी से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई श्री आदिनाथ जिनालय पहुंचकर संपन्न हुई। घटयात्रा में पीले वस्त्र धारण कर महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण किए। बैंडबाजों और भक्ति संगीत की धुनों पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए भक्ति में लीन नजर आए। मंदिर पहुंचने पर विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद विधान की धार्मिक क्रियाएं प्रारंभ हुईं। इस दौरान मीडिया प्रभारी राज जैन, सोनू जैन स्पोर्ट्स, रोहित जैन, प्रणव जैन, राज जैन, राखी जैन, रश्मि जैन, सोनम जैन, रजनी जैन, पूजा जैन एवं संगीता जैन सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

आरके कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, मिस्टर एवं मिस के खिताब से हुए सम्मानित



फिरोजाबाद। आर.के कॉलेज में नवागंतुक छात्र-छात्राओं के स्वागत में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर में नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में नए और पुराने विद्यार्थियों ने एक-दूसरे से परिचय प्राप्त किया तथा कॉलेज से जुड़े अपने अनुभव और यादगार पल साझा किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को मिस्टर एवं मिस के खिताब से नवाजा गया। अन्य प्रतिभागियों को भी पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कॉलेज प्रबंधन के एनसी बंसल ने कहा कि आरके कॉलेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में जनपद में अपनी अलग पहचान बना रहा है। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और सकारात्मक वातावरण प्रदान करना है, जिससे वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें।

आगरा मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन में जनपद से शामिल होंगे 300 से अधिक कांग्रेसी



फिरोजाबाद। आगामी 21 नवंबर को आगरा में आयोजित होने वाले कांग्रेस के मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन में जनपद से 300 से अधिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव डॉ. प्रकाशनिधि गर्ग एवं महानगर अध्यक्ष शफात खान राजू ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार करना तथा पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है। सम्मेलन को प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी कुणाल चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा तथा कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत है। कार्यकताओं की एकजुटता, मेहनत और समर्पण से पार्टी को नई मजबूती मिलेगी। आगरा में होने वाला यह सम्मेलन संगठनात्मक संवाद और आगामी राजनीतिक रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रेसवार्ता में हाजी नसीर अहमद, चांद कुरैशी, नूरुल हुद लाला राईन, शिप्रा उपाध्याय, मिर्जा मजहर बेग, वकार खालिक, सनी शर्मा, राजीव शर्मा एवं प्रतीक तिवारी सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

शिक्षक संघ ने डीआईओएस को सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन, 15 दिन में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो शिक्षक देंगे धरना



फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षक को 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने शिक्षकों के बकाया भुगतान, महंगाई भत्ता, बोनस, चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान सहित अन्य समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष उमेश चंद्र यादव के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि शिक्षकों को पिछला दो प्रतिशत व एक प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा वर्ष 2016-17 का बोनस भुगतान कराया जाए। इसके अलावा वर्ष 2026 के दो प्रतिशत व तीन प्रतिशत महंगाई भत्ते तथा चालू वर्ष का बोनस भी शीघ्र दिलाया जाए। मूल्यांकन वर्ष 2025 और 2026 के अवशेष पारिश्रमिक का भुगतान कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा लंबित चयन वेतनमान एवं प्रोन्नत वेतनमान लगाने, नवनियुक्त शिक्षकों को एफिडेविट के आधार पर वेतन भुगतान कराने तथा जनगणना-2027 में प्रगणक एवं सुपरवाइजर के रूप में लगाए जाने वाले शिक्षकों को सही दिशा-निर्देश देने की मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के अंदर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो शिक्षक संघ धरना देने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष, जिला ऑडिटर एवं जिला मंत्री राजीव कुमार शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बूथरक्षक मतदाता सूचियों की जांच कर गलत नामों की तैयार करें सूची-रामनिवास यादव

फिरोजाबाद। जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष ने जिले के सभी बूथरक्षकों को अपने-अपने बूथों पर लोगों के साथ बैठकर मतदाता सूचियों की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम अवैध तरीके से काटे गए हैं और जिनके नाम गलत तरीके से जोड़े गए हैं, उनकी अलग-अलग सूची तैयार कर जिला कांग्रेस कार्यालय में उपलब्ध कराई जाए। जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी सक्रियता के साथ करें। निष्क्रिय पदाधिकारियों को सक्रिय होने की हिदायत देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में सुधार नहीं होने पर उनके स्थान पर दूसरे कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उन्होंने कांग्रेसजनों से आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के प्रत्याशियों को तन, मन और धन से सहयोग कर विजयी बनाने का आह्वान किया। बैठक में हाजी सईद पटेल, जितेंद्र तिवारी, सगीर कुरैशी, प्रदीप शर्मा एडवोकेट, अजय शर्मा, अजय यादव, धर्मेंद्र यादव, प्रशांत तिवारी, शैलेन्द्र शुक्ला, जगदीश प्रसाद वाल्मीकि, अनिल यादव, रणवीर सिंह गुर्जर, आलोक कुमार यादव, पंकज शर्मा, रामप्रवेश यादव, डॉ. जुगल किशोर, इंद्रभान यादव, विजय सिंह और राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

किसान समाधान दिवस में बोलते डीएम संतोष कुमार शर्मा साथ में एडीएम न्यायिक सीमा पांडेय एवं अन्य अधिकारीगण

किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें समाधान-डीएम



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

विकास भवन सभागार में किसान समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को निर्देशित किया कि जनपद में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ बीज वितरण, फसलों की सिंचाई के लिए पानी तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा एवं धान की खरीद की व्यवस्था प्रभावी ढंग से कराई जाए। उन्होंने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत आलू, गेहूं एवं सरसों सहित रबी फसलों का बीमा कराने तथा खेतों में फसल अवशेष न जलाने की अपील की। उप कृषि निदेशक सत्येंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं, कृषि यंत्रों पर अनुदान, खाद-बीज, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड एवं खाद्यान्न खरीद का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना आवश्यक है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ पाने के लिए किसानों को ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, मिसिंग अपडेट एवं फार्मर रजिस्ट्री भी पूर्ण कराने की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक पृथ्वी पाल सिंह ने लौकी, तोरई एवं कद्दू जैसी उद्यान वर्गीय फसलों में फल मक्खी की रोकथाम के उपाय बताए। इस अवसर पर एडीएम न्यायिक सीमा पांडेय, जिला उद्यान अधिकारी चंद्रप्रकाश अवस्थी सहित विद्युत, सिंचाई, कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता एवं अन्य विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न विकास खंडों के प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

दीपाली भटनागर ने जीता मिसेज उत्तर प्रदेश का खिताब

बहू ने सुहागनगरी का बढ़ाया मान, रही द्वितीय रनर-अप

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



शहर की प्रतिभाशाली बहू दीपाली भटनागर ने मधु कमल प्रोडक्शन की ओर से लखनऊ में आयोजित प्रतिष्ठित ह्यमिसेज उत्तर प्रदेशह्न प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर सुहागनगरी का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में उन्होंने मिसेज पॉपुलर और मिसेज टैलेंटेड के खिताब अपने नाम किए। इसके साथ ही वह मिसेज उत्तर प्रदेश प्रतियोगिता में द्वितीय रनर-अप रहीं।

दीपाली भटनागर, विख्यात राज भटनागर की पत्नी तथा किड्स कॉर्नर स्कूल के एडमिनिस्ट्रेटर मयंक भटनागर एवं रुपाली भटनागर की पुत्रवधू हैं। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से आई महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कई चरणों तक चले कड़े मुकाबले में दीपाली ने अपने आत्मविश्वास, आकर्षक व्यक्तित्व, प्रतिभा और शानदार प्रस्तुति से निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए टॉप-10 प्रतिभागियों में जगह बनाई। अपनी इस उपलब्धि पर दीपाली भटनागर ने मधु कमल प्रोडक्शन की पूरी टीम, आयोजकों, निर्णायक मंडल और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शादी और मां बनने के बाद भी महिलाओं के सपने समाप्त नहीं होते। महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ अपनी अलग पहचान भी बना सकती हैं। प्रत्येक महिला के भीतर कोई न कोई प्रतिभा छिपी होती है, जरूरत केवल उसे पहचानने और स्वयं पर विश्वास करने की है। दीपाली की इस उपलब्धि पर परिवारजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उनकी सफलता से जनपद में खुशी का माहौल है। इस दौरान प्रधानाचार्य रूपाली भटनागर, प्रबंधक डॉ मयंक भटनागर, विख्यात भटनागर आदि मौजूद रहे।

राजकीय हाईस्कूल में निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता साक्षरता क्लब के अंतर्गत जनपद में लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय हाई स्कूल, सिविल लाइन, में जनपद स्तरीय निबंध एवं प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनित हुए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का आयोजन अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल तथा डिप्टी कलेक्टर मुख्यालय अंकित कुमार एवं जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पाण्डेय के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता पंजीकरण, शुद्ध मतदाता सूची के महत्व तथा मतदान के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रतियोगिता में फिरोजाबाद, टूंडला, शिकोहाबाद, जसराना एवं सिरसागंज विधानसभा क्षेत्रों से चयनित प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा, ज्ञान एवं बौद्धिक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रतियोगिताओं का आयोजन तीन चरणों में किया गया। जिसमें पांचों विधानसभा क्षेत्रों के चयनित विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। डिप्टी कलेक्टर मुख्यालय अंकित कुमार ने विद्यार्थियों ने मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया एवं निर्वाचन व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देकर अपने ज्ञान और जागरूकता का परिचय दिया। डीआईओएस मुदिता पाण्डेय ने कहा कि निर्वाचन आयोग की यह पहल युवा पीढ़ी को जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। इस दौरान ईएलसी सहायक नोडल अधिकारीीं. हिमांशु शर्मा, प्रधानाचार्य यतेन्द्र सिंह, अवनीश कुमार, पंकज दीक्षित एवं दीप चंद्र अग्रवाल शामिल रहे।

35 करोड़ की लागत से बने 132 केवी जीएसएस अम्बिका से रात 12 बजे बिजली सप्लाई शुरू, क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था होगी मजबूत

अम्बिका, जाटोली और रहसेना जीएसएस को मिलेगा बेहतर सपोर्ट, कम वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या से मिलेगी राहत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।



जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। करीब 35 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 132 केवी जीएसएस अम्बिका को बुधवार रात 12 बजे चालू कर विद्युत सप्लाई शुरू कर दी गई। नए ग्रिड सब स्टेशन के शुरू होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा लंबे समय से बनी कम वोल्टेज और बार-बार बिजली ट्रिपिंग की समस्या में राहत मिलने की उम्मीद है।

नए 132 केवी जीएसएस अम्बिका से 33 केवी के तीन फीडर प्रस्तावित हैं, जिनके माध्यम से 33/11 केवी जीएसएस अम्बिका, जाटोली एवं रहसेना को जोड़ा जाएगा। पूर्व में इन जीएसएस को 132 केवी मरैना एवं राजाखेड़ा से विद्युत सप्लाई दी जा रही थी। लंबी विद्युत लाइनों और अधिक लोड के चलते क्षेत्र के उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज, बिजली व्यवधान तथा बार-बार ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। नए जीएसएस के शुरू होने से विद्युत आपूर्ति का स्रोत नजदीक होगा, जिससे बिजली की गुणवत्ता और नेटवर्क की विश्वसनीयता में सुधार होगा।क्षेत्र में नए औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने में सुविधा होगी, जिससे भविष्य में निवेश और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर बिजली व्यवस्था से कृषि, घरेलू जरूरतों और स्थानीय विकास को भी गति मिलेगी।

क्या कहते हैं अधीक्षण अभियंता,

जयपुर डिस्कॉम धौलपुर के अधीक्षण अभियंता विवेक शर्मा ने बताया कि विभाग जिले में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण, नए जीएसएस निर्माण, क्षमता वृद्धि तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष ध्यान दे रहा है। 132 केवी जीएसएस अम्बिका का निर्माण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है। इससे किसानों एवं घरेलू उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता और अधिक विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा भविष्य की बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने के लिए मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार होगा।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता विवेक शर्मा के साथ एईएन प्रमेन्द्र जादौन, एईएन संतोष सिकरवार, जेईएन सुबोध मीना, जेईएन रणवीर चौधरी सहित विद्युत विभाग का तकनीकी स्टाफ उपस्थित रहा।

बाड़ी की बिजली व्यवस्था को मिलेगी नई ताकत

25 की जगह लगेगा 50 एमवीए का ट्रांसफार्मर

बाड़ी। बाड़ी शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जयपुर डिस्कॉम ने बड़ी तैयारी की है। धौलपुर रोड स्थित 132 केवी जीएसएस गुर्जर खानपुर पर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने का कार्य 18 नवंबर से शुरू किया जाएगा। इसके तहत वर्तमान में संचालित 25 एमवीए के दो ट्रांसफार्मरों में से एक को हटाकर उसकी जगह 50 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। इस कार्य से क्षेत्र की विद्युत क्षमता में वृद्धि होगी और उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज के साथ अधिक विश्वसनीय बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है।

विद्युत विभाग के एक्सईएन बीएल गुप्ता ने बताया कि ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि के लिए पहले उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति मिलने के बाद अब नया 50 एमवीए ट्रांसफार्मर जीएसएस पर पहुंच चुका है। 18 नवंबर से 11 दिसंबर तक इंस्टॉलेशन, विंग स्थापना, कनेक्शन जांच और अन्य तकनीकी सुधार कार्य किए जाएंगे। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 24 दिन का समय निर्धारित किया गया है।



घर से हैं दूर, तो ऐसे सजाएं अपना आशियाना

घर को तो आप सजाती ही होंगी, लेकिन अगर आप घर से दूर रह रही हैं तो अपने आशियाने को इस तरह सजाएं।

जब आप काम के सिलसिले में या पढ़ाई करने के लिए दूसरे शहर में जाती हैं तो आपको वहां पर घर से दूर किसी हॉस्टल के कमरे, पीजी या किराए के अपार्टमेंट में रहना पड़ता है। भले ही वह आपके लिए कुछ समय का ठिकाना हो, लेकिन फिर भी उसमें अपनेपन का अहसास होना बेहद जरूरी है। कुछ लड़कियों का तो घर से दूर नई जगह पर होमसिक फील करती हैं, ऐसे में वह अपनी पढ़ाई या काम में मन नहीं लगा पाती। इस समस्या का एक आसान तरीका है कि आप उस छोटे से आशियाने को अपने रंग में रंग दें।

जब बात किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने की बात आती है तो समस्या यह होती है कि आप उसे अपने मनमुताबिक रूप देना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर किसी दूसरे का घर होने के कारण आपके उपर बहुत सी बंदिशें होती हैं। आप कमरे का कलर अपनी पसंद का नहीं करवा सकतीं तो बहुत सी जगहों पर कील ठोकने और कुछ टांगने से भी मना किया जाता है। ऐसे में इन सभी लिमिटेशन का ध्यान रखते हुए आपको अपने कमरे को सजाना होता है। तो चलिए जानते हैं घर से दूर एक छोटे से घर को सजाने के कुछ आसान उपाय-

देखें कमरा

कमरे को सजाने से पहले जरूरी है कि आप पहले उसे अच्छे से देखें और समझें। इसका मतलब यह है कि कमरे को वास्तविकता में सजाने से पहले उसे अपने मन में सजाएं। इससे आपको समझ आएगा कि आपको कमरे को एक खूबसूरत लुक देने के लिए आपको किन चीजों की आवश्यकता होगी।

कम सामान

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल का कमरा सजाते समय कोशिश करें कि आप कम से कम सामान का इस्तेमाल करें। दरअसल, जब आप घर से दूर किसी जगह पर होते हैं तो वहां स्पेस कम होता है। इसके अलावा अगर आप पढ़ने के लिए गई हैं तो ज्यादा सामान रखने से आपका काफी सारा वक्त उसकी साफ-सफाई में ही निकल जाएगा और ज्यादा सामान की केयर करना भी कई बार मुश्किल होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप कम सामान में अपने घर या कमरे को खूबसूरत बनाएं।

बजट का ख्याल

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने के लिए किसी भी सामान को खरीदने से पहले बजट का ख्याल जरूर रखें। एक बात समझ लें कि आपको उस घर में कुछ वक्त के लिए रहना है और उसके बाद जब आप अपने घर वापिस लौटेंगी तो ढेर सारा सामान ले जाना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अगर आप ओवर बजट शॉपिंग करती हैं तो आपको अपनी जरूरी चीजों में कटौती करनी पड़ेगी, जो वास्तव में आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

पर्सनल टच

अगर आप सच में किसी दूसरे के घर को अपना सा बनाना चाहती हैं तो उसमें पर्सनल टच अवश्य दें। आप अपनी फैमिली की एक बड़ी सी फोटो दीवार पर लगा सकती हैं। इससे आपके अपने दूर होकर भी आपके करीब रहेंगे और सिर्फ एक फोटो से पूरा कमरा ही बदल जाएगा।



...तो आपस में नहीं उलझेंगी केबल्स

हम सभी के घर में कई तरह की केबल्स होती हैं। एक ही घर में कई फोन होते हैं और हर फोन के लिए चार्जर होता है। ऐसे में इन चार्जर की केबल्स से लेकर लैपटॉप की केबल और आईपैड आदि की केबल्स घर को काफी मैसी बना देती हैं। इतना ही नहीं, फोन के लिए भी अलग से इयरबड के साथ केबल्स मिलती हैं। ऐसे में जब इन्हें एक साथ रखा जाता है या फिर चार्जिंग की जाती है तो यह केबल्स आपस में उलझ जाती हैं।

कुछ लोग इन केबल्स को सुलझाने के लिए इन्हें कभी-कभी जोर से खींचते हैं। ऐसे में इन केबल्स को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, इस कारण यह जल्दी खराब हो जाती हैं या टूट जाती हैं, तो फिर आपको फिर से नई केबल्स खरीदनी पड़ती हैं। वहीं, अगर वर्क टेबल पर यह केबल्स आपस में उलझी हुई रखी हों तो इसका विपरीत असर आपके काम पर भी पड़ सकता है। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इन केबल्स या तारों को बार-बार उलझने से बचा सकते हैं-

बनाएं चार्जिंग स्टेशन

यह एक सिंपल और बेहतरीन तरीका है अलग-अलग केबल्स को आपस में उलझने से बचाने का। अगर आप चाहें तो घर पर ही पुराने कार्डबोर्ड या फिर लकड़ी की मदद से एक चार्जिंग स्टेशन तैयार कर सकते हैं। यह चार्जिंग स्टेशन ना केवल आपके लैपटॉप से लेकर फोन तक की चार्जिंग को अधिक कन्विनियंट बनाएगा, बल्कि इससे आपकी वर्क टेबल भी अधिक आर्गेनाइज्ड लगेगी। इतना ही नहीं, चूंकि आप हर केबल के लिए एक अलग चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे तो आपको बार-बार चार्जिंग केबल्स ढूंढने में भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

लें बॉक्स का सहारा

अगर आपके घर में तरह-तरह की कई केबल्स हैं और इसलिए आप चाहकर भी उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज नहीं कर पाती हैं या फिर वह इधर-उधर पड़ी रहती हैं और ऐसे में आपस में बार-बार उलझ जाती हैं। तो ऐसे में आप किसी पुराने बॉक्स का सहारा लें। आप कार्डबोर्ड की मदद से इसमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बनाएं। साथ ही इसे अधिक ब्यूटीफुल लुक देने के लिए आप इस पर कलर कर सकती हैं या फिर कलरफुल शीट को भी पेस्ट किया जा सकता है। इसके बाद आप इन कंपार्टमेंट में मार्किंग करें और इस तरह आप अलग-अलग केबल्स को रबर लगाकर इस बॉक्स में आसानी से रख सकती हैं।

पेपर रोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास स्पेस कम है और ऐसे में आप एक बिग साइज बॉक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं तो पेपर रोल का यूज भी किया जा सकता है। आप केबल्स को फोल्ड करके उस पर रबर लगा दें। इसके बाद पेपर रोल से उसे कवर कर दें। आप चाहें तो पेपर रोल के उपर भी एक रबर लगा सकती हैं। इसी तरह आप सभी केबल्स को रखें। एक छोटी सी ड्राअर में सभी केबल्स को आप आसानी से रख पाएंगी और वह आपस में टैंगल भी नहीं होंगी। (एक प्रोफेशनल की तरह करना है क्लिक तो इन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का लें सहारा)

बनाएं कलरफुल केस

अगर आप एक स्मॉल स्पेस में अपनी सभी केबल्स को टैंगल्स होने से बचाना चाहती हैं तो ऐसे में एक कलरफुल केस भी बनाया जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कॉर्ड आर्गेनाइजर केस आसानी से मिल जाएगा। जिसमें एक साथ कई केबल्स को रखने की सुविधा होती है। लेकिन अगर आप अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो घर पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप किसी पुराने लेदर के कपड़े पर इलास्टिक स्टिच करें। पहले दोनों एंड्स से इलास्टिक को स्टिच करने के बाद एक-एक इंच की दूरी पर स्टिच करती जाएं। इस तरह केबल्स रखने के लिए अलग-अलग सेक्शन तैयार हो जाएंगे।



स्मार्टफोन को तो सभी क्लीन रखते हैं, लेकिन क्या आप ने ईयरफोन के वायर पर मौजूद गंदगी को साफ किया। अगर नहीं तो यहां बताई गई तरीको को जरूर आजमाएं।

ईयरफोन को ऐसे करें क्लीन

रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जो गंदी हो जाने के बावजूद भी हम उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। हालांकि, आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी-छोटी चीजों का ख्याल लोग नहीं रख पाते हैं।

जैसे ईयरफोन, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर लोग रोजाना करते हैं। गाना सुनना हो या फिर बात करनी हो, इसकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यही नहीं कई लोग इसे एक-दूसरे से एक्सचेंज भी करते हैं, जो कि पर्सनल हाइजीन के लिए बिल्कुल सही नहीं है। कुछ लोग ईयरफोन के रखरखाव का खास ख्याल नहीं रखते हैं। कुछ लोग इसे मोड़कर कहीं भी रख देते हैं, जिसकी वजह से धूल-मिट्टी चिपक जाती है। गंदा वायर और ईयरफोन देखने में अच्छे नहीं लगते हैं और पर्सनल हाइजीन के लिए भी सही नहीं है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिसकी मदद से आप वायर के साथ ईयरफोन को भी अच्छी तरीके से क्लीन कर सकती हैं।

ईयरफोन के वायर को ऐसे करें क्लीन

सबसे पहले इयरफोन वायर को क्लीन करने की आवश्यकता है। ध्यान रखें कि वायर को पानी में नहीं डालना है बल्कि एक कपड़े की मदद से पोंछते हुए इसे साफ करेंगे। इसके लिए एक बाउल में पानी लें और उसमें डिशवॉश लिक्विड और विनेगर(विनेगर का इस्तेमाल) मिक्स कर दें। अब इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर घोल तैयार करें। अब एक कपड़ा लें और उसे मिश्रण में डिप करें और ईयरफोन के वायर को पोंछें। ध्यान रखें कि एक बार पोंछने के बाद कपड़े के दूसरे साइड से इसे दोबारा पोंछें। इस दौरान पानी की एक भी बूंद ना स्पीकर और ना ही बड्स पर गिरनी चाहिए, वरना ईयर फोन खराब हो सकता है।

ईयरफोन बड्स को क्लीन करने का तरीका

बड्स की क्लीनिंग पानी या फिर किसी भी तरह के लिक्विड से नहीं की जा सकती है। एक बूंद भी अंदर जाने के बाद बड्स पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। इसके लिए ईयरबड्स लें और उसकी मदद से सफाई करें। इसके अलावा ऊपर वाले हिस्से को कपड़े से पोंछ दें। बड्स को क्लीन करते वक्त आप चाहें तो नेल पेंट रिमूवर (नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल) या फिर रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि आप ईयरबड्स की मदद से ही नेल पेंट रिमूवर और रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल करें।

हेडफोन या फिर ब्लूटूथ के वायर की सफाई

हेडफोन, ब्लूटूथ या फिर अन्य कोई वायर वाले गैजेट्स हैं, तो उन्हें हफ्ते में एक बार जरूर क्लीन करें। अगर आप इसे पानी या फिर अन्य लिक्विड वॉश से क्लीन नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ पेट्रोल की मदद से भी इसे क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए आप एक कपड़े में 5 से 6 बूंद पेट्रोल डालें और उसकी मदद से वायर को साफ कर दें। इयरफोन वायर और अन्य वायर वाले गैजेट्स को साफ करने का यह सबसे आसान और बेस्ट तरीका है।



तारों को छिपाने के लिए अपनाएं यह हैक्स

किसी भी घर में इलेक्ट्रिसिटी से लेकर पानी की व्यवस्था करने के लिए कई तरह की तारों का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, घर में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का भी इस्तेमाल किया जाता है और उसके वायर भी कमरे में चारों तरफ नजर आते हैं। इनका इस्तेमाल करना घर में बेहद जरूरी होता है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह तारें आपके कमरे की खूबसूरती में एक धब्बे की तरह है।

आप भले ही कमरे को कितना भी खूबसूरती से सजाएं, लेकिन दीवार के चारों ओर तार फैले हुए नजर आते हैं तो यह काफी अजीब लगते हैं और फिर आपके कमरे को वह परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता, जो वास्तव में मिलना चाहिए। हालांकि आप अपने घर को वायर-फ्री तो नहीं कर सकतीं, लेकिन फिर भी अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसे में आप उन वायर्स को बेहद ही खूबसूरती से हाइड कर सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाले वायर्स को हाइड करने के कुछ आसान व इनोवेटिव तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

किताबों की लें मदद

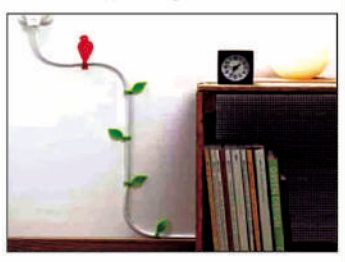
अगर आपके टीवी के नीचे टेबल पर वायर नजर आ रही हैं तो इसके लिए आप किताबों की मदद ले सकती हैं। इसके लिए आप टीवी के नीचे की टेबल पर किताबें एक साथ रखें और उसके पीछे वायर हों। टेबल पर रखी किताबें देखने में भी अच्छी लगेंगी और किसी को यह पता भी नहीं चलेगा कि उसके पीछे वायर हैं। बेडरूम की दीवारों को सजाएं रोमांटिक अंदाज में

बनाएं कवर



अगर आप अपने कमरे में मौजूद वायर को आसानी से छिपाना चाहती हैं, साथ ही अपने कमरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं तो इसके लिए आप वायर्स के लिए कवर बनाएं। मसलन, आप एक बुक को बीच में से खाली करें और उसके उपरी कवर को वायर का कवर बनाएं। इसी तरह आप गिफ्ट बॉक्स को भी बतौर वायर कवर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस साल ये 7 इंटीरियर्स डिजाइन आपके घर को देंगे एक क्लासिक लुक

दें खूबसूरत लुक



सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो कमरे में मौजूद वायर्स को ही रूम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं। इसके लिए आप पहले वायर्स को दीवार पर केबल वायर नेल्स की मदद से सिक्योर करें। इसके बाद आप हर केबल वायर नेल्स के साथ कोई भी खूबसूरत ड्राइंग बनाएं। आप दीवार पर पक्षी से लेकर खूबसूरत पत्तियां आदि बना सकती हैं।

स्मार्टली करें कवर

भले ही आपके कमरे में कितने भी वायर हों, आप उन्हें बेहद स्मार्ट तरीके से आसानी से कवर कर सकती हैं। मसलन, आप आईसक्रीम स्टिक या लकड़ी की मदद से टेबल के कोनों में एक कवर बना सकती हैं। यह देखने में भी अच्छा लगता है और इसके पीछे वायर्स को आसानी से रखा जा सकता है। इसी तरह अगर आप मल्टीप्लग का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके साइज के अनुसार उसके लिए एक कवर बनाएं। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।



कई समस्याओं का समाधान सिलिका जेल

अगर आपने ध्यान दिया होगा तो, आप जब भी नए बैग्स, जूते, पर्स या कपड़ा खरीदते हैं, तो उसमें आपको एक छोटा सा पैकेट जरूरत मिलता होगा। उस पैकेट को 'सिलिका जेल' कहा जाता है। अक्सर इस पैकेट को बेकार समझ के लगभग हर कोई फेंक देता है, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि आखिर इन सामानों में इस पैकेट को क्यूं रखा जाता है और इसका अन्य कामों में किस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप भी सिलिका जेल के फायदों के बार में जान जाएंगे तो आज के बाद से उसे फेंकने से पहले कई बार सोचेंगे, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको सिलिका जेल के उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप कई घरेलू समस्याओं को चुटकियों में दूर कर सकते हैं-

कपड़ों को रखता है सुरक्षित

ठण्ड के मौसम में अक्सर कपड़ों में नमी हो जाती है और कई बार कपड़ों से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में सिलिका जेल बहुत ही उपयोगी हो जाता है। आपको बात दें कि सिलिका जेल कपड़ों में मौजूद मॉइश्चराइजर को दूर रखता है और आपके कपड़े में होने वाली नमी और बदबू से भी दूर रखता है। आप जहां भी कपड़े रखते हैं वहां इस पैकेट को रख दीजिए, इससे आपका कपड़ा हमेशा फ्रेश रहेगा।

मेकअप बैग में भी रखें

महिलाएं भी इसको मेकअप बैग में रख सकती हैं। कई बार मेकअप रखे-रखे बैग में चिपचिपाहट होने लगता है, और कई बार मकेअप प्रोडक्ट्स भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए सिलिका जेल का इस्तेमाल कर सकती है। इसके उपयोग से मेकअप बैग के साथ-साथ आपका मेकअप सामान भी सुरक्षित रहेगा।

किताबों का रखता है ख्याल

अमूमन हम कई महीनों तक किताब को हाथ तक भी नहीं लगाते हैं और वो वहीं के वहीं रखे रहते हैं। कई महीनों तक रखे-रखे इन बुक्स में पीलापन नजर आने लगता है। इस पीलेपन को दूर करने के लिए आप सिलिका जेल को रख सकते हैं। बुक्स के साथ-साथ आप महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, गाड़ी या घर के पेपर आदि स्थानों पर भी इस जेल को रख सकते हैं।



बच्चा खाने-पीने में टालमटौल तो नहीं करता

वह समय बीत चुका है, जब पैरेन्ट अपने बच्चों को तोता-मैना की कहानी सुनाते हुए उन्हें खाना खिलाते थे। अब न तो उनके पास उन्हें कहानी सुनाने का टाइम है और न ही ढंग से खाना खिलाने का। वैसे आजकल बच्चे प्राय: खाने-पीने के मामले में बेहद चूजी होते जा रहे हैं। खाने को लेकर ये हमेशा नाक-भौं सिकोड़ते हैं। हालांकि यह आदत 2 से 10 साल तक के किशोर उम्र तक के बच्चों को ही रहती है। अगर ये आदतें आपके बच्चों में भी हैं तो पैरेन्ट्स होने के नाते आप सावधान हो जाएं! एक ताजा शोध के अनुसार बच्चों की इस आदत की वजह से उन्हें पेडिएट्रिकफीडिंग डिसऑर्डर की बीमारी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण बच्चों की खाने-पीने की आदतें बदलने लगती हैं, वे ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व वाले भोजन नहीं लेते, जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। खाने-पीने की यह आदत एक आम बीमारी है, जो बच्चों को अकसर ऐसे माहौल में हो जाती है, जहां उन्हें तरह-तरह की खाने की चीजें मिलती हैं।

हालांकि देखा गया है कि अधिकांश बच्चे बहुत कम खाना खाते हैं या अपनी मनपसंद की चीजें ही खाने में रुचि लेते हैं। जिसकी वजह से वह बिना पोषक तत्व वाले भोजन से ज्यादा कैलोरी लेते हैं। आजकल बच्चे घर में बनी या मार्केट की कुछ निश्चित फास्ट फूड ही लेना पसंद करते हैं, जो टेस्टी तो होते हैं, लेकिन न तो वे पौष्टिक होते हैं और न ही हेल्दी डाइट। जिसकी वजह से बच्चों को शारीरिक विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

मां है जिम्मेदार

बच्चों की इस आदत पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार इस आदत के लिए 80 फीसदी तक बच्चे की मां जिम्मेदार होती है। बच्चों की इस आदत की वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। बच्चों को पुरानी बीमारी लग सकती है। उन्हें मोटापा, खाने-पीने की आदतों में कमी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: पहले टेस्ट में 4 पेसर्स के साथ उतरेंगे गिल!

❍ एजेंसी, वेलिंगटन।

भारतीय क्रिकेट टीम के सामने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सिर्फ मेजबान टीम को हराने की चुनौती नहीं होगी, बल्कि अपने पुराने रिकॉर्ड को बदलने का भी मौका होगा। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट 19 नवंबर से शुरू हो रहा है। न्यूजीलैंड की टीम अपने घर में भारत के खिलाफ हमेशा मुश्किल साबित हुई है। पिछले कुछ वर्षों में तो उसने भारतीय टीम को उसके घरेलू मैदान पर भी करारी शिकस्त दी है। ऐसे में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के लिए यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिहाज से भी अहम है।

वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर होने वाले मुकाबले में भारतीय टीम की प्लेइंग-11 को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा तेज गेंदबाजी संयोजन और स्पिन विकल्प पर है। जसप्रीत बुमराह का खेलना तय माना जा रहा है, लेकिन उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और गुरनूर बराड़ में से किन गेंदबाजों को मौका मिलेगा? वहीं, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर में से किसे चुना जाएगा? इन सवालों के जवाब पिच और टीम प्रबंधन की रणनीति से तय हो सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड क्यों डराएगा?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 65 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत ने 22 और न्यूजीलैंड ने 16 मैच जीते हैं, जबकि 27 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यानी कुल मुकाबलों में भारत की जीत का प्रतिशत करीब 34 रहा है। न्यूजीलैंड की धरती पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड और भी चुनौतीपूर्ण है।

दोनों देशों के बीच वहां 25 टेस्ट हुए हैं। भारत को सिर्फ पांच में जीत मिली, जबकि न्यूजीलैंड ने 10 मुकाबले अपने नाम किए। 10 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। वेलिंगटन में तो भारत को पिछले 57 वर्षों से जीत का इंतजार है। यहां खेले गए आठ टेस्ट में भारत ने सिर्फ एक जीता है, जबकि न्यूजीलैंड को पांच में सफलता मिली और दो मुकाबले ड्रॉ रहे। भारत ने वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में पिछला टेस्ट फरवरी 1968 में जीता था।

भारत ने आखिरी बार 2009 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा के दौर में भी टीम इस देश में सीरीज जीतने में नाकाम रही।

रोहित की कप्तानी में तो भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।



चार तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है भारत

बेसिन रिजर्व की पिच पर शुरूआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। यहां की सतह अक्सर हरी दिखाई देती है और शुरूआती दो दिनों में सीम गेंदबाजों को उछाल तथा मूवमेंट मिल सकता है। हालांकि, कई बार एक सत्र के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान भी हो जाती है। ऐसे में भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों के विकल्प के साथ उतरने पर विचार कर सकती है।
जसप्रीत बुमराह की जगह तय है। उनके साथ मोहम्मद सिराज का खेलना भी अहम माना जा रहा है। सिराज और विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल इस सीरीज में खेलते हैं तो अपने टेस्ट करियर का 50वां मुकाबला पूरा कर सकते हैं। तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ के बीच मुकाबला हो सकता है। प्रसिद्ध के पास पहले से टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव है, जबकि गुरनूर ने वनडे सीरीज में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।
चौथे तेज गेंदबाज के लिए आकाश दीप और अंशुल कंबोज विकल्प हैं। दोनों ने गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता भी दिखाई है। नीतीश कुमार रेड्डी भी एक विकल्प हैं, जिनसे टीम को अतिरिक्त बल्लेबाजी गहराई मिल सकती है। यदि भारत चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है तो आकाश दीप या अंशुल कंबोज को मौका मिल सकता है। वहीं, बल्लेबाजी को अतिरिक्त मजबूती देने के लिए नीतीश को चुना जा सकता है।

जडेजा या सुंदर, किसे मिलेगा मौका?

स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा का पलड़ा भारी दिखाई देता है। वह टीम के लिए गेंद और बल्ले दोनों से योगदान दे सकते हैं। उपलब्ध संभावित संयोजन में उन्हें सातवें नंबर पर रखा जा सकता है। हालांकि, न्यूजीलैंड के संभावित शीर्ष चार बल्लेबाजों में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या अधिक है। ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर की ऑफ स्पिन टीम प्रबंधन को आकर्षित कर सकती है।
सुंदर को चुनने का फायदा यह होगा कि वह बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी साबित हो सकते हैं और निचले क्रम में रन भी बना सकते हैं। इसके बावजूद जडेजा का अनुभव और ऑलराउंड क्षमता उन्हें आगे रखती है। अगर टीम चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरती है तो जडेजा के रूप में एक विशेषज्ञ स्पिन विकल्प होगा। ऐसे में सुंदर को बाहर बैठना पड़ सकता है।

पंत की फिटनेस और मैट हेनरी से भी रहेगी चुनौती

भारतीय बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और शुभमन गिल का खेलना लगभग तय माना जा रहा है। ऋषभ पंत विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अहम होंगे, जबकि ध्रुव जुरेल को भी शीर्ष छह में जगह मिलने की संभावना है। पंत ने न्यूजीलैंड में अब तक सिर्फ दो टेस्ट खेले हैं। चोट के कारण वह श्रीलंका दौरे के बाद केवल एक प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेल पाए हैं। इसलिए उनकी मैच फिटनेस और लय पर नजर रहेगी। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने और लगातार एक जैसी लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करने में माहिर हैं। भारत को उनके खिलाफ शुरूआती ओवरों में संभलकर खेलना होगा।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

न्यूजीलैंडः टॉम लाथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, डैरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, मैट हेनरी और जैकब डफी/ब्लेयर टिकनर।
भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन/ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी/आकाश दीप/अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा/गुरनूर बराड़।

सैंडपेपरगेट कांड का सच फिर आएगा सामने?: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बनाया नया फोरम

❍ एजेंसी, होबार्ट।



क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।'

उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने वाली बन गई है। हमारा मानना है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है।'

डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है। तब जो हुआ और जो अब भी हो रहा है, उसका उस समय के कल्चर से बहुत कुछ लेना-देना है। एक ऐसा कल्चर जिसे बनाने में सीए का हाथ था। इस बात को एथिक्स सेंटर रिपोर्ट के आने और उसके बाद 42 में से 36

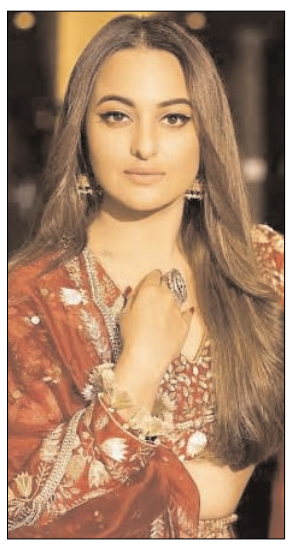
धरती को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी, छोटी-छोटी कोशिशें भी ला सकती हैं बड़ा बदलावः रकुल प्रीत सिंह



अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए पर्यावरण को बचाने के लिए सभी से अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की है। उनका कहना है कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है और इसका सीधा असर हमारी सेहत के साथ आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ सरकार या किसी एक संस्था के भरोसे बैठने के बजाय हर व्यक्ति को अपने स्तर पर कोशिश करनी होगी। अभिनेत्री ने कहा कि गाड़ी से निकलने वाले धुएं पर नजर रखने से लेकर अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने तक, छोटी-छोटी कोशिशें भी बड़ा बदलाव ला सकती हैं। आईएएनएस से बातचीत में रकुल ने कहा, "पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयास आज की सबसे बड़ी जरूरत है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर पर है। हम खबरों में पढ़ते हैं कि एक्यूआई 600 और 1,000 तक पहुंच गया है। इसका असर हमारी सेहत और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ रहा है।"
रकुल ने आगे कहा कि मौजूदा पीढ़ी शायद किसी तरह इस स्थिति में जी लेगी, लेकिन असली सवाल यह है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी धरती छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम तो अपनी जिंदगी जी लेंगे, लेकिन अगली कुछ पीढ़ियों के लिए कैसी धरती छोड़कर जा रहे हैं? यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि अपनी तरफ से जितना हो सके, उतना करें। हमें देखना चाहिए कि हमारा कार्बन फुटप्रिंट कितना है और हमारी गाड़ी से कितना प्रदूषण निकल रहा है। ये छोटी-छोटी बातें हैं, लेकिन अगर हम सभी इन्हें अपनाएं तो यह एक सामूहिक प्रयास बन सकता है। मुझे खुशी है कि अर्थशॉट इस तरह का आयोजन कर रहा है। यह सही दिशा में उठाया गया एक कदम है।"
अभिनय की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह हाल ही में नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा के किरदार में नजर आईं। अभिनेत्री ने इस फिल्म का हिस्सा बनने के अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि 'रामायण' ऐसी कहानी है, जो पीढ़ियों से भारतीयों की जिंदगी और संस्कृति का हिस्सा रही है। ऐसे में इतने बड़े स्तर पर इस कहानी को पर्दे पर जीवंत होते देखना उनके लिए गर्व की बात है।
बता दें कि नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' में रणबीर कपूर और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

सोनिया-राजीव पर ट्रोलिंग पर भड़कीं सोनाक्षी, कहा- पति और पत्नी का प्यार गलत कैसे हुआ?

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने राहुल गांधी द्वारा सोनिया गांधी और राजीव गांधी को लेकर दिए गए बयान पर छिड़ी बहस के बीच मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने कहा कि उनके आने वाले बच्चों को जरा भी अंदाजा नहीं है कि आगे क्या होने वाला है और उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए सवाल उठाया कि पति-पत्नी के बीच प्रेम को आखिर सामाजिक गलती के रूप में क्यों देखा जा रहा है। उन्होंने लिखा, ''क्या कुछ लोग सिर्फ इसलिए नाराज हैं कि सोनिया गांधी लंच के समय राजीव गांधी की गोद में बैठती थीं?" उन्होंने आगे कहा कि यह दिखाता है प्रेम और वैवाहिक संबंधों को लेकर लोगों की सोच कितनी संकीर्ण हो चुकी है। ऐसे लोग पति-पत्नी के बीच प्रेम को भी गलत नजरिए से देखते हैं, जबकि एक-दूसरे के प्रति प्रेम और लगाव किसी भी वैवाहिक संबंध का स्वाभाविक हिस्सा है। सोनाक्षी ने आगे लिखा, ''धत तेरी की, मेरे होने वाले बच्चों को जरा भी अंदाजा नहीं है कि उनके साथ क्या होने वाला है। कमर कस लो बच्चों (तुम जहां कहीं भी हो, अभी)।"
दरअसल, 16 नवंबर को नई दिल्ली में सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' लॉन्च के दौरान राहुल गांधी ने अपने माता-पिता के बचपन और परिवार से जुड़ा एक किस्सा साझा किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि पारिवारिक भोजन के दौरान सोनिया गांधी अपने पति और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की गोद में बैठती थीं।
उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें शुरू में लगता था कि यह हर फैमिली में ऐसा ही होता था, जब तक कि वे अपने दोस्तों के घर नहीं गए। अब इस बात को लेकर सोशल मीडिया और राजनीति में एक बार फिर नई बहस शुरू हो गई।
अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बात करें, तो वह हाल ही में फिल्म 'तू है मेरी किरण' में नजर आई थीं। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल लीड रोल में हैं, जबकि अंकित गुप्ता, शर्लिन सेठ, जरीना वहाब और पूर्णेंदु भट्टाचार्य सपोर्टिंग रोल में हैं।



'बात करने की तमीज नहीं': दीया मिर्जा ने नवाजुद्दीन के व्यवहार पर उठाए सवाल



दीया मिर्जा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह है उनका सोशल मीडिया पोस्ट। उन्होंने इस पोस्ट में कुछ ऐसा लिखा है, जिस पर हलचल मच गई है। जो लिखा गया है, वह बहुत स्पष्ट नहीं है। मगर, इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम जोड़ दिया गया है। साथ ही व्यवहार संबंधी कमियां बताई हैं। यूजर्स कंफ्यूज हैं। कुछ दावा कर रहे हैं कि यह दीया का कोई पीआर स्टंट है। जानिए उन्होंने क्या लिखा है?

बोलीं- 'साथ काम करना बुरा सपना'

दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज बुधवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। दरअसल, अभिनेत्री ने पोस्ट में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को टैग किया है। साथ ही व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। दीया मिर्जा ने लिखा है, 'साथ काम करना बुरा सपना है। न बात करने की तमीज है और एटीट्यूड अलग ही लेवल का है।

क्या बोले यूजर्स?

अभिनेत्री के इस पोस्ट पर नेटिजंस के कमेंट्स आ रहे हैं। अधिकांश यूजर्स कंफ्यूज हैं कि इस पोस्ट को किस संदर्भ में क्या गया है? लोग पूछ रहे हैं कि क्या वाकई उन्होंने नवाजुद्दीन के व्यवहार पर सवाल किए हैं? वहीं, कुछ इसे पीआर स्टंट कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'अब लोग बहुत स्मार्ट हो गए हैं। प्रमोशनल एक्टिविटीज को आसानी से पहचान सकते हैं। पीआर टीमों को असली एंगेजमेंट बनाने के लिए नए और इनोवेटिव तरीके ढूंढने की जरूरत है'। एक यूजर ने लिखा, 'प्रमोशन का यह तरीका पुराना हो गया। कुछ नया सोचिए'।

जानिए क्या है सच?

दीया मिर्जा के पोस्ट पर नेटिजंस का अनुमान एकदम सही है। दरअसल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और दीया मिर्जा साथ में सीरीज करने वाले हैं। इसका नाम है- 'डॉ. हसन'। इसका प्रीमियर जियो हॉटस्टार पर 11 दिसंबर को होगा। बानीजय एशिया के प्रोडक्शन में बनी 'डॉ. हसन' उसी स्टूडियो की एक और पेशकश है, जिसने 'द नाइट मैनेजर' और 'मिस्ट्री' (मॉन्क) जैसी कई विदेशी सीरीज के भारतीय वर्जन बनाए हैं। 'डॉ. हसन' मशहूर सीरीज 'हाउस' का भारतीय रूपांतरण है।
नवाजुद्दीन सिद्दीकी डॉ. हसन के रोल में नजर आएंगे। अपने प्रोफेशन में वे कमाल हैं। मगर, उनकी कुछ अजीब आदतें भी हैं। वे अकड़कर बात करते हैं।
रोहन सिप्पी द्वारा डायरेक्टेड इस सीरीज में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और दीया मिर्जा के साथ फैसल राशिद, रहमत रतन, जयसन थाम और स्मरण सानू जैसे दमदार कलाकार हैं। सीरीज का टीजर काफी दिलचस्प है।

44 की उम्र में तीसरी बार मां बनीं ऐनी हैथवे

हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और ऑस्कर विजेता ऐनी हैथवे के घर एक बार फिर किलकारियां गूंजी हैं। अभिनेत्री तीसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने अपने पति एडम शुलमैन के साथ तीसरे बच्चे का स्वागत किया है। हाल ही में एक्ट्रेस न्यूयॉर्क की सड़कों पर अपने नवजात बच्चे को सीने से लगाए नजर आईं। हालांकि, ऐनी और उनके पति ने अभी तक बच्चे के जन्म को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

न्यूयॉर्क की सड़कों पर बच्चे संग दिखीं ऐनी

ऊटे की तरफ से सामने आई तस्वीरों में ऐनी हैथवे अपने बच्चे को डार्क ब्राउन रंग के बेबी कैरियर में लेकर टहलती दिखाई दीं। इस दौरान उन्होंने लैवेंडर रंग का टॉप, उसके ऊपर हल्के रंग का लंबा ट्रेंच कोट, सफेद पैंट और भूरे रंग के बूट्स पहने थे। साथ ही उन्होंने सनग्लासेस और डार्क ब्राउन रंग की कैप लगाई हुई थी। अभिनेत्री का यह कैजुअल लुक सोशल मीडिया पर चर्चा में है।

दो बेटों की मां हैं ऐनी हैथवे

ऐनी हैथवे और एडम शुलमैन ने साल 2012 में शादी की थी। दोनों पहले से ही दो बेटों के माता-पिता हैं। उनके बड़े बेटे जोनाथन की उम्र 10 साल और छोटे बेटे जैक की उम्र 6 साल है। अब तीसरे बच्चे के आने से परिवार में खुशियां और बढ़ गई हैं।
ऐनी ने इसी साल जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा की थी। उन्होंने बारबरा लुईस के गाने 'बेबी, आई एम यॉर्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में अभिनेत्री सफेद रंग की खूबसूरत फ्लोई ड्रेस पहने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आई थीं।
उन्होंने इस खुशखबरी के साथ यह भी जाहिर किया था कि हर प्रेग्नेंसी का सफर आसान नहीं होता और इस बार की खुशखबरी उनके लिए खास है।

तीसरी प्रेग्नेंसी को बताया था 'बजर बीटर'

ऐनी हैथवे ने अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर खुलकर बात की थी। 14 जुलाई को 'लेट नाइट विद सेठ मेयर्स' शो में पहुंचीं अभिनेत्री ने बताया था कि यह प्रेग्नेंसी उनके लिए एक अप्रत्याशित लेकिन बेहद सुखद सरप्राइज थी।
ऐनी ने मजाकिया अंदाज में अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को 'बजर बीटर' कहा था। उनका कहना था कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि चीजें इस तरह होंगी, इसलिए यह उनके लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं था।
फिल्म 'वेरिटी' में आई थीं नजर वर्कफ्रंट की बात करें, तो ऐनी हैथवे हाल ही में फिल्म 'वेरिटी' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ डकोटा जॉनसन और जोश हार्टनेट भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म 2 अक्टूबर को भारत में रिलीज हुई थी।